गुरुवार, 29 मई 2025

मौसम

तापमान	25 – 29
आर्द्रता	74%
सूर्योदय: 4:52	सूर्यास्त: 18:15

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष तृतीया, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : जहां सूर्य की किरण हो वही प्रकाश होता है, जहां प्रेम हो वही परिवार होता है।

भारत की आतंकवाद के खिलाफ 'आयरन फिस्ट पालिसी' को लेकर अभिषेक बनर्जी का सशक्त संदेश पृष्ठ 5

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

डीआरआई ने उत्तर-पूर्व में 23.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया (पृष्ठ 7)

पॉक्सो मामले में गाइडलाइन उल्लंघन पर हाई कोर्ट सख्त, जांच अधिकारी के खिलाफ रुल जारी (पृष्ठ 4)

प्रधानमंत्री मोदी आज उत्तर बंगाल का करेंगे दौरा, गैस वितरण परियोजना की रखेंगे आधारशिला

- बंगाल दौरे से पहले तृणमूल सरकार पर बोला हमला
- चार राज्यों के दौरे पर विकास परियोजनाओं की करेंगे शुरुआत

नई दिल्ली/कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज और कल उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के दौरे पर रहेंगे। इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान वे विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जनसभाओं को संबोधित करेंगे

और स्थानीय नेताओं से मुलाकात करेंगे। आज पीएम मोदी दो कार्यक्रमों में के साथ अलीपुरद्वार आ रहे हैं। सरकारी व अधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री सरकारी समारोह के दौरान अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में शहर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजना की आधारशिला रखेंगे। प्रदेश भाजपा के एक अन्य नेता ने बताया कि पीएम मोदी के सिक्किम से दोपहर 1 बजे के बाद पश्चिम बंगाल पहुंचने की उम्मीद है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार पीएम अलीपुरद्वार जिले में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। वहीं, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि सबसे पहले पीएम सरकारी कार्यक्रम में शामिल होंगे और फिर अलीपुरद्वार में पार्टी की एक बैठक को संबोधित करेंगे। इसके बाद, शाम को प्रधानमंत्री पटना के लिए रवाना होंगे। हम सभी उन्हें सुनने के लिए उत्साहित हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद यह उनका पहला दौरा होगा। इधर, प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि आज दोपहर मैं पश्चिम बंगाल में भाजपा की रैली में शामिल होऊंगा। पश्चिम बंगाल के आम लोगों को पिछले एक दशक से केंद्र की एनडीए सरकार की विभिन्न योजनाएं पसंद आ रही हैं। साथ ही, वे तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्ट और अक्षम प्रशासन से भी तंग आ चुके हैं। मोदी ने पहुंचने से पहले ममता बनर्जी की सरकार पर हमला बोला, लेकिन सवाल उठ रहा है कि पीएम मंच से वह किन मुद्दों पर बात करेंगे, यह तो आज ही पता चलेगा।

आतंक के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने के भारत के अधिकार को विभिन्न देशों ने मान्यता दी: जयशंकर

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत ने पहलगाम हमले के मद्देनजर आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करके ''दृढ़ और सटीक'' जवाब दिया तथा आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने के देश के अधिकार को दुनिया भर के देशों ने भी मान्यता दी है। यहां इतालवी दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में उन्होंने 22 अप्रैल को हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद इटली द्वारा व्यक्त की गई एकजुटता को भी याद किया। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-इटली द्विपक्षीय संबंध ''निस्संदेह उन्नति की ओर अग्रसर हैं।'' यह कार्यक्रम

बुधवार शाम इटली के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। जयशंकर ने कहा, ''हम जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद भारत के प्रति इटली की एकजुटता और समर्थन के लिए आभारी हैं। भारत ने आतंकवादी केंद्रों और ठिकानों को नष्ट करके दृढ़, सटीक जवाब दिया।'' भारत ने पहलगाम हमले के जवाब में छह मई की देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सटीक हमलों के साथ पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी शिविरों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा, ''आतंकवादी कृत्यों के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने के भारत के अधिकार को दुनिया भर के देशों ने भी मान्यता दी है। हमारा मानना है कि दुनिया आतंकवाद और सीमा पार आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता रखेगी।'' अपने संबोधन में जयशंकर ने कहा कि इटली के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी ''साझा मूल्यों और आपसी हितों'' पर आधारित है।

हिंडनबर्ग मामला: लोकपाल ने पूर्व सेबी प्रमुख बुच को दी 'क्लीन चिट'

नयी दिल्ली : भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों की जांच करने वाली संस्था लोकपाल ने बुधवार को हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर बाजार नियामक सेबी की पूर्व प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ अनुचित व्यवहार और हितों के टकराव का आरोप लगाने वाली शिकायतों को खारिज कर दिया है। उसने कहा कि आरोप पूरी तरह से धारणा पर आधारित है और उसके समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं। लोकपाल ने कहा कि पिछले साल दर्ज की गई तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा समेत अन्य सभी की शिकायतें मूल रूप से एक निवेश कंपनी की रिपोर्ट पर आधारित थीं। रिपोर्ट में पूरा ध्यान अदाणी समूह की कंपनियों को 'बेनकाब' करने या जांच के घेरे में लाने पर था।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने 10 अगस्त, 2024 को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि बुच और उनके पति के पास अस्पष्ट विदेशी कोष में हिस्सेदारी थी, जिसका उपयोग अदाणी समूह से संबंधित कोष की कथित हेराफेरी में किया गया। उन्होंने आरोपों से इनकार करते हुए कहा था कि हिंडनबर्ग ने पूंजी बाजार नियामक की विश्वसनीयता पर हमला किया और चरित्र हनन का प्रयास किया। लोकपाल ने बुधवार को अपने आदेश में कहा, ''शिकायतों में लगाए गए आरोप अनुमानों और धारणाओं पर आधारित हैं और उसके पक्ष में कोई ठोस सबूत नहीं है तथा अपराध की कोई बात नजर नहीं आ रही...।'' लोकपाल चेयरपर्सन न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय पीठ ने आदेश में कहा कि इसको देखते हुए इन शिकायतों का निपटान किया जाता है। बुच ने दो मार्च, 2022 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख के रूप में पदभार संभाला था। कार्यकाल पूरा होने के बाद वह 28 फरवरी को पद से हट गईं। लोकपाल ने इस संबंध में पहले के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट को बुच के खिलाफ कार्रवाई बढ़ाने का एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता।

सीमावर्ती राज्यों में आज होने वाली मॉकड्रिल स्थगित

जल्द होगा 'ऑपरेशन शील्ड' की नई तारीख का ऐलान

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार यानी 29 मई को प्रस्तावित सिविल डिफेंस अभ्यास 'ऑपरेशन शील्ड' को प्रशासनिक कारणों से फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में सभी सिविल डिफेंस कंट्रोलर्स और संबंधित विभागों को निर्देश जारी करने को कहा गया है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि सभी संबंधित अधिकारियों और हितधारकों को सूचित किया जाए कि ऑपरेशन शील्ड सिविल डिफेंस एक्सरसाइज अगली सूचना तक स्थगित कर दी गई है। अगली तिथि बाद में जारी की जाएगी।

गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार 29 मई को गुजरात, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और चंडीगढ़ समेत केंद्र शासित प्रदेशों के कई जिलों में शाम 5 बजे से मॉकड्रिल होनी थी। लेकिन अब ये स्थगित हो गई है। लिहाजा जम्मू-कश्मीर के सभी 20 जिलों में मॉक ड्रिल रद्द कर दी गई है। जम्मू क्षेत्र में जो अभ्यास कल होना था, वह अब नहीं होगा। राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, चंडीगढ़ और अन्य राज्यों ने भी केंद्र के आदेश के बाद मॉकड्रिल और ब्लैकआउट स्थगित कर दिए हैं।

भवानीपुर में मुख्यमंत्री ममता ने की शीतला माता की पूजा

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार की दोपहर राज्य सचिवालय नवान्न से भवानीपुर के कंसाईपाड़ा शीतला माता मंदिर पहुंचीं। मुख्यमंत्री ने मंदिर में पूजा भी की। उक्त इलाके में हर बार शीतला माता मंदिर में उनके वार्षिक उत्सव पूजा को लेकर कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। मुख्यमंत्री यहां मंच पर लोगों को सम्बोधित करते हुए अतीत में चली गईं। बचपन की याद ताजा करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि अब तो मैंने यहां एक अंग्रेजी माध्यम का स्कूल बनाया है, लेकिन जब मैं कॉलेज में थी, तब मैं यहां पढ़ाती थी। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की एक खासियत है सभी धर्मों का सम्मान होता। इस रास्ते को ही देखिए,

गुरुद्वारा से लेकर मंदिरों तक सब कुछ मिल जाएगा। शीतला पूजा के दौरान विभिन्न मोहल्लों में पंता भात खाने की परंपरा है। इसका जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शीतल से लेकर शीतला तक, मां शीतला, मां सबको शीतल रखती हैं, बीमारियों से मुक्त रखती हैं। इसीलिए शीतला पूजा में खाना नहीं बनाया जाता, एक दिन पहले ही खाना बना लिया जाता है। उस पंता भात को खाया जाता है। मां सबको शांति दें, शीतल रखें, असाध्य रोग किसी का जीवन न छीनें।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकती है सरकार

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट की एक आंतरिक जांच समिति ने जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोप सही पाए हैं। जस्टिस वर्मा दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व जज हैं। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, जांच में आरोपों के सही पाए जाने के बाद सरकार मॉनसून सत्र में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकती है। यह प्रस्ताव उन्हें पद से हटाने के लिए होगा। सुप्रीम कोर्ट ने 3 मई को एक तीन सदस्यीय समिति बनाई थी। इस समिति ने जस्टिस वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना की जांच की। 14 मार्च को उनके आवास पर आग लगी थी। जांच में पता चला कि वहां बड़ी मात्रा में नकदी मिली थी। समिति ने आरोपों को सही पाया है।

जांच रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी को भेजी गई

सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने जांच रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजी थी। उन्होंने जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश की थी। जस्टिस वर्मा को इस्तीफा देने के लिए भी कहा गया था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। उनका तबादला 20 मार्च को कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल को इलाहाबाद हाई कोर्ट में जज के रूप में शपथ ली, लेकिन उन्हें अभी तक कोई काम नहीं सौंपा गया है।

राष्ट्रपति ने अब पूर्व उगख की सिफारिश राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष को भेज दी है। सरकार के सूत्रों का कहना है कि चूंकि पूर्व उगख ने महाभियोग की सिफारिश की है, इसलिए प्रस्ताव संसद में लाना होगा। महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए, लोकसभा में कम से कम 100 सदस्य और राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्य होने चाहिए।

कब लाया जाएगा प्रस्ताव?

सरकार के एक सूत्र ने कहा कि वे आगामी सत्र में प्रस्ताव लाएंगे। वे राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष से सदन की राय लेने के लिए कहेंगे। सरकार विपक्षी दलों से भी सहमति लेने की कोशिश करेगी, क्योंकि महाभियोग को दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पास कराना होता है। सूत्रों का कहना है कि यह प्रक्रिया जल्द ही शुरू हो जाएगी। कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि पार्टी से अभी तक इस मामले पर चर्चा के लिए संपर्क नहीं किया गया है। संसद का मॉनसून सत्र जुलाई के तीसरे सप्ताह तक शुरू होने की उम्मीद है।

संसदीय समितियों की बैठकों में केवल 60 फीसदी सांसदों ने ही लिया हिस्सा

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद की कार्यवाही और संसदीय समितियों में सांसदों को भागीदारी के लिए बार -बार प्रोत्साहित किए जाने के बावजूद समितियों की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी पिछले करीब एक साल में औसतन साठ फीसदी ही रही है। लोकसभा की वेबसाइट से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, निचले सदन की 16 स्थायी समितियों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति औसतन करीब 60 प्रतिशत रही। इस प्रकार 40 फीसदी सांसद अनुपस्थित रहे। संसद की स्थायी समिति में लोकसभा और राज्यसभा से 31 सदस्य होते हैं, जिनमें से 21 निचले सदन से और 10 उच्च सदन से होते हैं। पिछले वर्ष सितंबर में संसद की सभी समितियों का पुनर्गठन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई अवसरों पर संसदीय समिति एवं संसद की कार्यवाही में सदस्यों की सहभागिता के महत्व को रेखांकित कर चुके हैं।

घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में रोबोटिक क्रांति!

कोलकाता स्थित बेले व्यू क्लिनिक में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के निदेशक, प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. संतोष कुमार के पास 17 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने अब तक 35 हजार से अधिक सफल सर्जरी की हैं। वह **संतोष कुमार** हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर के संस्थापक भी हैं, जो जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन का एक समर्पित समूह है, जो हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में नवीनता और सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. कुमार का मानना है कि एक संगठन की ताकत उसकी टीम में होती है। उनकी टीम में कई विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक सर्जन, चिकित्सक, सहायक, तकनीशियन और फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य व्यक्तिगत कौशल, दक्षता, व्यापक अनुभव और विश्वास को स्वास्थ्य सेवा के फ्रंटलाइन में एकीकृत करना है।

साल 2011 में, **डॉ. कुमार** ने कंप्यूटर-समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए 'ऑर्थोपायलट' उपकरण का उपयोग किया था। पिछले वर्ष, उन्होंने इस प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए रोबोटिक आर्म का भी समावेश किया, जिससे सर्जरी में और अधिक सटीकता प्राप्त हो रही है। हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में बायोमेकानिक्स, जैसे एक सस्पेंशन ब्रिज की यांत्रिकी, का महत्व है और यह बेहतर तरीके से नेविगेशन और रोबोटिक आर्म द्वारा हासिल किया जाता है।

डॉ. संतोष कुमार यह भी मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑगमेंटेड रियलिटी

जैसे आधुनिक उपकरण अब सर्जन के हाथों में हैं, जो सर्जरी को और भी सटीक और प्रभावी बनाते हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य घुटना और हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के साथ-साथ मरीजों को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करना है। उनके नेतृत्व में, मोमेंटम ऑर्थोकेयर और संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन ने सर्जरी में एक नया मानक स्थापित किया है।

डॉ. कुमार का कहना है कि सही तरीके से किया गया जॉइंट रिप्लेसमेंट 25 वर्षों से अधिक तक चल सकता है और अगर आवश्यक हो, तो इसे पुनः किया जा सकता है, जिसे 'रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट' कहा जाता है। डॉ. कुमार और उनकी टीम कोलकाता में नियमित रूप से इन रिवीजन प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं।

नवीनतम तकनीक

डॉ. संतोष कुमार ने घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में नए विकास के बारे में बताया। उन्होंने मोबाइल बेयरिंग रोटेटिंग प्लेटफॉर्म घुटने के रिप्लेसमेंट की बात की, जो खासतौर पर पैरों को क्रॉस करके बैठने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसके अलावा, कम संपर्क तनाव डिजाइन से इम्प्लांट के जीवनकाल में वृद्धि होती है। काइनेमेटिक एलाइंमेंट का उपयोग करके मेडियल पिवट घुटने ने घुटने के कृत्रिम जोड़ को जितना संभव हो प्राकृतिक घुटने के करीब लाने में मदद की है। **डॉ. संतोष कुमार** का कहना है कि पूरी प्रक्रिया को दर्द रहित बनाना उनका प्रमुख उद्देश्य है, जिसे उच्च सटीकता वाली नर्व ब्लॉक्स और मल्टीमोडल एनाल्जेसिया तकनीकों द्वारा प्राप्त किया जाता है।

-स्टिचलेस सर्जरी का नया युग

डॉ. कुमार बताते हैं कि आजकल वे स्टिचलेस सर्जरी करते हैं, जिससे मरीज को सर्जरी के कुछ ही दिनों बाद स्नान करने की अनुमति मिलती है और कोई भी स्टिच हटाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे लगभग कोई निशान भी नहीं रहता।

-जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए सुलभ और किफायती हब

डॉ. संतोष कुमार का कहना है कि संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पूर्व भारत में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए एक किफायती और स्थानीय केंद्र बनाना था।

-फ्री वीडियो कंसल्टेशन और यात्रा खर्च की सुविधा

इसके अलावा, **डॉ. कुमार** अपने मरीजों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों के लिए बिहार और झारखंड से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के यात्रा खर्च को भी वापस करते हैं और उन्हें मुफ्त वीडियो कंसल्टेशन की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

डॉ. संतोष कुमार और उनकी टीम का उद्देश्य जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके मरीजों को बेहतर और दर्दमुक्त जीवन प्रदान करना है।

Dr Santosh Kumar activating the Robotic Arm during Robotic Knee Replacement

For additional information, feel free to communicate with Dr. Santosh Kumar at Plot number 236, Lake Town, Block B, Kolkata 700089; email: sandr@gmail.com; WhatsApp or call: 6289962271 / 9831911584; or visit: Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata.

किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी, धान की एमएसपी में सरकार ने की बढ़ोतरी

नयी दिल्ली : मोदी सरकार ने देशभर के करोड़ों किसानों को एक बड़ा तोहफा दिया है। **केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव** ने कैबिनेट मीटिंग में लिए गए बड़े फैसलों का एलान करते हुए यह बताया है कि सरकार ने 2025-26 के खरीफ सत्र के लिए धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी 69 रुपये बढ़ाकर 2369 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अक्ष्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में यह फैसला लिया गया। इस एलान के बाद आने वाले सीजन में 1 क्विंटल धान के लिए किसानों को कम से कम 2369 रुपये दिए जाएंगे। इससे पहले किसानों को 1 क्विंटल धान के लिए करीब 2300 रुपये दिए जाते थे। इसे अब 69 रुपये बढ़ा दिया गया है। विपणन सत्र 2025-26 के लिए 14 खरीफ फसलों के

न्यूनतम समर्थन मूल्य को भी स्वीकृति दी गई है। 14 खरीफ फसलों में धान के साथ मूंग, उड़द, कपास, मूंगफली, सूरजमुखी के बीज, ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, अरहर, सोयाबीन (पीला), तिल और रामतिल शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को खेती में आने वाली लागत के ऊपर कम से कम 50 प्रतिशत का मार्जिन मिलना चाहिए। देश में आजादी के बाद से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा कई शानदार योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

किसानों के लिए ब्याज सहायता योजना जारी रहेगी

सरकार ने 2025-26 के लिए संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को जारी रखने की बुधवार को मंजूरी दे दी। इसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सस्ती दर पर अल्पकालिक ऋण मिलता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमआईएसएस को मौजूदा 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता के साथ जारी रखने का निर्णय मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया। योजना को जारी रखने से सरकारी खजाने पर 15,640 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। एमआईएसएस एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केसीसी के माध्यम से सस्ती ब्याज दर पर किसानों को अल्पकालिक ऋण उपलब्ध हो। एमआईएसएस के तहत किसानों को केसीसी के माध्यम से सात प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर तीन लाख रुपये तक का अल्पावधि ऋण मिलता है, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता दी जाती है।

नाकामी की सजा पूरे परिवार को क्यों

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां-बाप,पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां-बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरूआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी?

निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने-पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता-खेलता परिवार हमेशा-हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें। दूसरा सबक यह है कि हमारे सामने संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमें हार नहीं माननी चाहिए। यह भी कि खुद व परिवार को मौत के मुंह में धकेलना किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज की पीढ़ी जल्दी मोटा मुनाफा कमाने की होड़ में बड़े कर्ज लेकर दांव तो खेलती है,लेकिन जरूरी नहीं हर जोखिम लाभदायक ही साबित हो। हमें अपनी सामर्थ्य और देशकाल परिस्थितियों का पूरा आकलन करके ही कदम उठाना चाहिए। यह भी हकीकत है कि नई पीढ़ी में वह धैर्य व संयम धीरे-धीरे कम होता जा रहा है, जो हमें संकट से जूझने का सामर्थ्य देता था। कभी संयुक्त परिवार हमें ऐसे संकट से निबटने की ताकत ही नहीं देते थे, बुरे वक्त में मदद भी करते थे। हमें ऐसे तमाम पहलुओं पर विचार जरूर करना चाहिए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 29 मई, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष तृतीया, 23:22 तक, नक्षत्र : आद्रा, 22:41 तक, योग : शुला, 15:49 तक, सूर्योदय: 4:52, सूर्यास्त: 18:15, चन्द्रोदय : 06:39, चन्द्रास्त: 20:55, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : मिथुन, राहू काल : 13:13 से 14:53

राशिफल

मेष : मेष राशि वालों के लिए दिन करियर और धन दोनों क्षेत्रों में धीरे-धीरे सुधार लेकर आ रहा है। जो लोग लंबे समय से आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे, उन्हें राहत मिलने के संकेत हैं।

वृष : वृषभ राशि के लोगों का दिन लाभ से भरा होगा और घर में खर्चों की वृद्धि संभव है, लेकिन आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। जीवनशैली को बेहतर बनाने की सोच प्रमुख रहेगी।

मिथुन : मिथुन राशि वालों को लाभ होगा और आपकी कार्यक्षमता सभी को चकित करेगी। कार्यक्षेत्र में अप्रत्याशित प्रगति होगी, जिससे आत्मविश्वास और बढ़ेगा। योजना बनाकर धन खर्च करें।

कर्क : कर्क राशि के लोगों को धन के मामले में लाभ होगा और धन की अधिक आवश्यकता महसूस हो सकती है। भाई-बहनों से संबंधित कोई आर्थिक निर्णय लेना पड़ सकता है।

सिंह : सिंह राशि के लोगों के लिए दिन पेशेवर अस्थिरता और तनाव के साथ शुरू हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे चीजें ठीक होंगी। नौकरी में नई ज़िम्मेदारियां मिल सकती हैं।

कन्या : कन्या राशि वालों के लिए ग्रहों की स्थिति आपके लिए करियर में तेज़ी और चुनौतियां दोनों ला सकती है। अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद आप अपने कार्यों को उत्साहपूर्वक पूरा करेंगे।

तुला : तुला राशि के लोग किसी कारण से मानसिक तनाव में रह सकते हैं, जिसका असर आपके निर्णयों पर पड़ सकता है। पैसों की चिंता कुछ हद तक वास्तविक है।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोगों के लिए दिन का आरंभ बहुत ही शानदार हो सकता है। करियर में नई ऊंचाइयां छूने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना प्रॉजेक्ट जो अधूरा था, अब पुनः सक्रिय होगा।

धनु : धनु राशि के लोगों का दिन सफलता से भरा होगा और आपको किसी महत्वपूर्ण संपर्क से लाभ मिल सकता है। कोई पुराना क्लाइंट या कस्टमर दोबारा आपके पास आ सकता है।

मकर : मकर राशि के लोगों का दिन सम्मान से भरा होगा। धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ने से आपको लाभ होगा। जिससे नए व्यवसायिक अवसर प्राप्त होंगे।

कुम्भ : कुंभ राशि के लोगों को उच्चाधिकारियों से अच्छा सहयोग मिलेगा जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। बड़ी योजनाओं को शुरू करने से पहले आर्थिक सलाह जरूर लें।

मीन : मीन राशि के लोगों के लिए क्षमता प्रदान कर रहे हैं। करियर में आप साहसिक फैसले ले सकते हैं और उनका लाभ भी मिलेगा। माता-पिता और गुरुजनों का आशीर्वाद लें।

भुखमरी, कुपोषण की समस्या से निजात दिलाने में जच्चा-बच्चा पर खास ध्यान जरूरी : अमिताभ कांत

नयी दिल्ली : जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने बुधवार को कहा कि देश में भुखमरी और कुपोषण की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए हमें जच्चा-बच्चा पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि इन समस्याओं से पार पाने में सरकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, लेकिन निजी क्षेत्र को भी स्थानीय स्तर पर आगे आने की जरूरत है। यहां मालाबार समूह के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कांत ने कहा, ''आज भारत तीव्र आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने वाली दुनिया

की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले तीन साल में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा...।'' उन्होंने कहा, ''हम चावल के प्रमुख उत्पादक हैं। चावल और गेहूं के मामले में आत्मनिर्भर है। हम फल, दूध समेत अन्य प्रमुख खाद्य पदार्थों के प्रमुख उत्पादक हैं। लेकिन इन सबके बावजूद भारत में लोग कुपोषण और भुखमरी की समस्या से जूझ रहे हैं। इसका कारण कमजोर माताएं हैं। कमजोर मां कुपोषित बच्चों को जन्म देते हैं। यह पीढ़ियों से चली आ रही समस्या है।'' नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा, ''हमें गर्भावस्था से लेकर बच्चे के जन्म तक गांवों से लेकर शहरों तक प्रत्येक महिलाओं पर ध्यान देना होगा और उनकी देखरेख करनी होगी। यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि बच्चों का जन्म अस्पताल में हो।'' उन्होंने कहा, ''हम आंगवाड़ी में तीन साल के बाद बच्चों की देखभाल करते हैं। देखभाल की यह व्यवस्था ठीक नहीं है। इसमें काफी देर हो जाती है। हमें बच्चों के जन्म से 18 महीने तक उन पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। यह वह समय है जब बच्चे का दिमाग विकसित होता है।''

इलेक्ट्रिक वाहन की संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर, दिल्ली, महाराष्ट्र को पीछे छोड़ा

लखनऊ : उत्तर प्रदेश ने 4.14 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के साथ दिल्ली (1.83 लाख) और महाराष्ट्र (1.79 लाख) जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। उत्तर प्रदेश में इस समय सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन दौड़ रहे हैं। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर वैश्विक चर्चा के बीच इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) आज की पर्यावरणीय चुनौतियों का एक बेहतर समाधान बनकर उभरा है। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश सरकार ने 2022 में नई इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं परिवहन नीति लेकर आई, जिसका उद्देश्य ईवी की स्वीकार्यता को तेजी से बढ़ावा देना, चार्जिंग बुनियादी ढांचे का मजबूत नेटवर्क स्थापित करना और राज्य को ईवी और बैटरी विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाना है। इस नीति के तहत, राज्य सरकार 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने और 10 लाख नौकरियां सृजित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। उत्तर प्रदेश की पर्यटन नगरियों अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, कानपुर और लखनऊ में ई-रिक्शा (तीन-पहिया वाहन) की व्यापक लोकप्रियता ने ईवी बिक्री में 85 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है, जो विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में यात्री और माल ढुलाई के लिए उपयोगी साबित हुए हैं। इसके अलावा भारत सरकार की फेम एक और दो (फास्टर एडॉप्टेशन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल इन इंडिया) योजनाओं का सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उत्तर प्रदेश ने ई-परिवहन को और बढ़ावा दिया है।

इंडिगो ने विक्रम सिंह मेहता को चेयरमैन नियुक्त किया

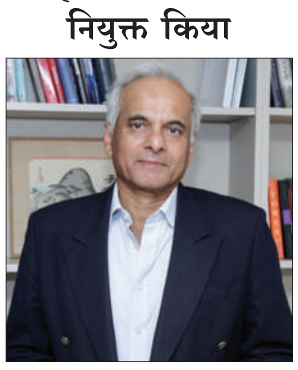

नयी दिल्ली : देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को वेंकटरमणी सुमंत्रन की जगह विक्रम सिंह मेहता को नया चेयरमैन नियुक्त करने की घोषणा की। मेहता मई, 2022 से इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के निदेशक मंडल के सदस्य हैं। इंडिगो का संचालन इंटरग्लोब एविएशन ही करती है। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि मेहता चेयरमैन के पद पर सुमंत्रन की जगह लेंगे, जिन्होंने निदेशक के तौर पर अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद पद छोड़ दिया था। बयान के मुताबिक, सुमंत्रन को मई, 2022 में चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उन्होंने कोविड महामारी के बाद पिछले तीन वर्षों में इंडिगो की स्थिति में आई मजबूती और अविश्वसनीय वृद्धि के दौरान बोर्ड का मार्गदर्शन किया। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी मेहता ने भारत में शेल ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन और मिस्र में शेल मार्केट्स और शेल केमिकल्स के सीईओ के अलावा कई अन्य भूमिकाएं भी निभाई हैं।

सेबी ने इंडसइंड बैंक के पूर्व सीईओ, चार अन्य को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित किया

नयी दिल्ली : पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को इंडसइंड बैंक के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुमंत कठपालिया और चार अन्य अधिकारियों को बैंक के शेयरों में भेदिया कारोबार के कथित मामले में प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। इसके साथ ही भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इन पांचों लोगों से सामूहिक रूप से 19.78 करोड़ रुपये की राशि भी जब्त की है। सेबी द्वारा प्रतिबंधित व्यक्तियों में बैंक के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक एवं डिप्टी सीईओ अरुण खुराना, ट्रेजरी परिचालन प्रमुख सुशांत सौरव, जीएमजी परिचालन के प्रमुख रोहन जथन्ना और उपभोक्ता बैंकिंग संचालन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ) अनिल मार्को राव भी शामिल हैं। निजी क्षेत्र के बैंक के इन वरिष्ठ अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने अपने पास अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई) रहते हुए इंडसइंड बैंक के शेयरों में लेनदेन किया, जो भेदिया कारोबार नियमों का उल्लंघन है। यह मामला भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी मास्टर निर्देश से उपजा है, जिसका इंडसइंड बैंक के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा था। बैंक की आंतरिक टीम ने उस निर्देश के वित्तीय निहितार्थों का मूल्यांकन किया था और उस समय उनके पास गैर-सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध थी। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि इन पांच व्यक्तियों ने इस संवेदनशील जानकारी को सार्वजनिक किए जाने से पहले ही शेयर सौदों को अंजाम दिया, और संभावित व्यक्तिगत लाभ के लिए गोपनीय जानकारी तक अपनी पहुंच का इस्तेमाल किया।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट; सेंसेक्स 239 अंक टूटा, आईटीसी में तीन प्रतिशत की गिरावट

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 239 अंक के नुकसान में रहा। आईटीसी और वाहन शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली आईटीसी में ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय कंपनी बीएटी पीएलसी द्वारा हिस्सेदारी घटाये जाने के बाद कंपनी का शेयर टूटा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 239.31 अंक यानी 0.29 प्रतिशत टूटकर 81,312.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 307.61 अंक तक नीचे आ गया था। इसी तरह, 50 शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 73.75 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,752.45 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि बृहस्पतिवार को वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक सौदों के अनुबंध की समाप्ति और जीडीपी तथा औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने से पहले प्रमुख सूचकांक काफी हद तक सीमित दायरे में रहे। दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी), वाहन और औषधि शेयरों में गिरावट आई जबकि बैंक, मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, मीडिया और ऊर्जा शेयरों में तेजी रही।

एलआईसी का शेयर आठ प्रतिशत चढ़ा, बाजार पूंजीकरण 45,224 करोड़ रुपये बढ़ा

सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी के शेयर में बुधवार को आठ प्रतिशित से अधिक की तेजी आई। कंपनी का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 38 प्रतिशत बढ़ने की सूचना के बाद इसके शेयर में उछाल आया। बीएसई में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का शेयर 8.21 प्रतिशत चढ़कर 942.55 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 8.83 प्रतिशत चढ़कर 948 रुपये पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में यह 7.97 प्रतिशत बढ़कर 940.75 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 45,223.74 करोड़ रुपये बढ़कर 5,96,162.66 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

निसान ने भारत छोड़कर जाने की अटकलों को नकारा, भविष्य पर नजरें टिकाईं

नयी दिल्ली : वाहन विनिर्माता निसान ने भारतीय बाजार से बाहर निकलने से जुड़ी तमाम अटकलें खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि वह यहां अपना कारोबार बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही। जापानी कंपनी निसान की भारतीय अनुषंगी निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय बाजार से बाहर जाने की कोई भी योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि असलियत में कंपनी 2027 की शुरुआत तक भारतीय बाजार में तीन नए उत्पाद पेश करने की योजना बना रही है और इस साल 20 नए डीलरशिप जोड़ने का भी इरादा है। कंपनी अपने पोर्टफोलियो में कई तरह के उत्पादों को रखना चाहती है और चालू वित्त वर्ष में उसने घरेलू और निर्यात बाजारों में एक-एक लाख इकाइयों की बिक्री का लक्ष्य रखा है।

स्पोर्ट्स

आईपीएल प्लेऑफ: अय्यर की रणनीति और आरसीबी की प्रतिभा के बीच होगी जंग

मुलांपुर (चंडीगढ़) : श्रेयस अय्यर की प्रेरक नेतृत्व क्षमता की अब तक की सबसे कठिन परीक्षा होगी जब पंजाब किंग्स गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले क्वालीफायर में उत्साह से भरी एक अन्य टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की मेजबानी करेगा। शीर्ष दो में स्थान प्राप्त करने के बाद इन दोनों टीम से फाइनल में पहुंचने की उम्मीद की जा रही है क्योंकि पहले क्वालीफायर में हारने के बावजूद उन्हें खिताबी मुकाबले में जगह बनाने का एक और मौका मिलेगा। पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार प्लेऑफ में जगह बनाई है। इसका श्रेय अय्यर और रिकी पोंटिंग (मुख्य कोच) की जोड़ी को जाता है जिन्होंने टीम की संस्कृति

को बदलकर उसे नया स्वरूप प्रदान किया। दूसरी ओर आरसीबी को नॉकआउट चरण में कई बार हार का सामना करना पड़ा तथा इस बार वह खिताब के सूखे को खत्म करने की उम्मीद कर रही है। उनके अपने शब्दों में खिताब के दोनों दावेदारों के लिए काम अभी आधा ही हुआ है। अय्यर-पोंटिंग की जोड़ी पंजाब किंग्स में शानदार बदलाव लेकर आई है और टीम ने लीग चरण में शुरू से लेकर आखिर तक अच्छा प्रदर्शन किया है। यह संयोजन खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सफल रहा है, जिससे यह एक मजबूत टीम बन गई है।

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे के लिए अय्यर को टीम में शामिल नहीं करने के सवाल को टाला

नयी दिल्ली : मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को इंग्लैंड दौरे के लिए श्रेयस अय्यर को भारतीय टीम में शामिल नहीं करने के सवाल को टाल दिया लेकिन तीन जून को अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल फाइनल में देश के सशस्त्र बलों के प्रमुखों को आमंत्रित करने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सराहना की। शानदार फॉर्म में चल रहे अय्यर को 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारत की 18 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है। भारत की कमान युवा शुभमन गिल संभालेंगे और ऋषभ पंत उप कप्तान होंगे। पंजाब किंग्स को अपनी अगुआई में आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचाने वाले अय्यर के बारे में गंभीर ने कहा, ''मैं चयनकर्ता नहीं हूं।''

भारत को एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मिश्रित रिले में स्वर्ण, चार रजत पदक भी जीते

गुमी (दक्षिण कोरिया) : भारत की चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना खिताब बरकरार रखा जबकि बुधवार को यहां चार और रजत तथा एक कांस्य पदक जीतकर देश ने 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन अपने पदकों की संख्या को आठ तक पहुंचाया। रूपल चौधरी, संतोष कुमार, विशाल टीके और सुभा वेंकटेशन की भारतीय चौकड़ी ने तीन मिनट 18.12 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। रूपल ने बुधवार को ही व्यक्तिगत महिला 400 मीटर स्पर्धा में रजत पदक भी जीता। सुभा 2023 में स्वर्ण पदक जीतने वाली मिश्रित टीम का भी हिस्सा थी। चीन की टीम तीन मिनट 20.52 सेकेंड का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं जबकि श्रीलंका ने तीन मिनट 21.95 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। अधिकांश समय अमेरिका में रहने वाले तेजस्विन शंकर भारत के लिए रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों ने शामिल रहे। तेजस्विन ने 10 स्पर्धाओं की डेकाथलन प्रतियोगिता में 7618 के स्कोर से दूसरा स्थान हासिल किया। वह चीन के फेई शियांग (7634) से पीछे और जापान के केइसुके ओकुडा (7602) से आगे रहे। प्रवीण चित्रावेल ने पुरुष त्रिकूद में 16.90 मीटर के प्रयास से रजत पदक जीता। इससे पहले रूपल चौधरी (400 मीटर) और पूजा (1500 मीटर) ने रजत पदक जीते जबकि यूनुस शाह ने पुरुष 1500 मीटर में कांस्य पदक अपने नाम किया। मिश्रित रिले टीम का स्वर्ण प्रतियोगिता में भारत का दूसरा सोने का तमगा है। इससे पहले मंगलवार को गुलवीर सिंह (10,000 मीटर) ने भी स्वर्ण पदक जीता था। रूपल ने महिलाओं के 400 मीटर फाइनल में 52.68 सेकेंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और भारत के लिए दिन का पहला पदक जीता। इसी स्पर्धा में हमवतन विथ्या रामराज 53.00 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। जापान की नानाको मात्सुमोतो (52.17 सेकेंड) ने स्वर्ण जबकि उज्बेकिस्तान की जोनबीबी हुकमोवा (52.79 सेकेंड) ने कांस्य पदक जीता। पूजा ने महिलाओं की 1500 मीटर स्पर्धा में चार मिनट 10.83 सेकेंड के समय के साथ भारत को दूसरा रजत पदक दिलाया।

वर्ग पहेली नं. 3106

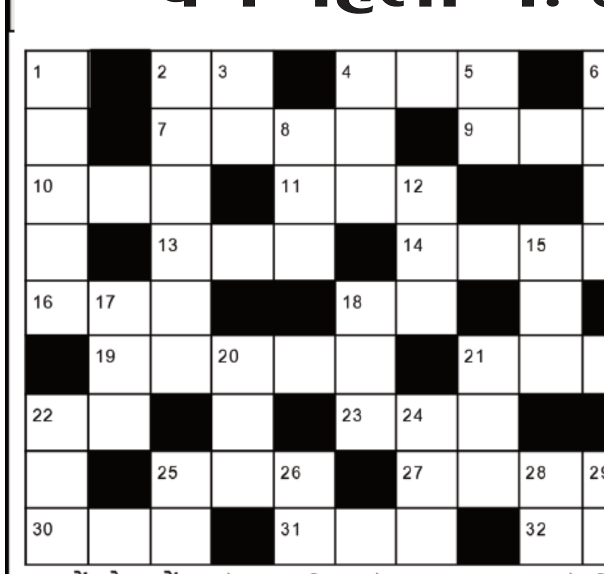

बायें से दायें:- 2) दुःख; शोक, 4) घटा; स्थानांतरण, 7) मोहित; मुग्ध, 9) कठोर, 10) सावधान, 11) गेहूँ ; स्वर्ण, 13) भागा, 14) अल्पतम, 16) भाँति, 18) देश में रहनेवाला जनसमूह, 19) समान करना, 21) इच्छा, 22) ज्ञान शून्य; मूर्ख, 23) विश्वास, 25) क्रोध, 27) इच्छित, 30) एक पक्षी, 31) एक देश, 32) एक कश्मीरी नदी.

ऊपर से नीचे:- 1) दग़ाबाज़ी, 2) भ्रांत धारणा, 3) गंदगी, 4) वक्तव्य, 5) लंबी रेखा, 6) सिर्फ़ एक, 8) नौकर, 12) हृदय, 15) अच्छा जानकार; पारंगत, 17) आस्वादक, 18) प्रेम, 20) घटिया क़िस्म का अनाज, 21) चिंतन, 22) सौ करोड़, 24) मूल्य, 25) जो बंद न हो, 26) समिति; संस्था, 28) विकल्प; पशु का खाद्य, 29) प्रभावी.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

सुडोकू-पहेली-3063

1	3				9	6		
7						2		
		5						4
	5		6	8			3	
					1	8		
		1	4		5		7	
2			9					
	4		8				2	
			5					

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3062 का उत्तर

9	1	6	5	8	7	3	4	2
3	7	8	4	2	6	5	9	1
2	5	4	1	9	3	6	8	7
8	9	7	6	3	2	1	5	4
4	6	5	9	1	8	2	7	3
1	3	2	7	5	4	8	6	9
5	8	9	3	4	1	7	2	6
6	4	3	2	7	5	9	1	8
7	2	1	8	6	9	4	3	5

अग्निशमन व्यवस्था पर विधानसभा में लाई जाएगी नई नीति

❑ केएमसी में राज्य स्तरीय विशेष बैठक के बाद मेयर फिरहाद हकीम ने की घो-षणा

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में आग की घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार अग्निशमन व्यवस्था पर जोर दे रहा है। इस संबंध में, बुधवार को कोलकाता नगर निगम के कॉन्फ्रेंस हॉल में राज्य स्तरीय विशेष बैठक हुई। उस बैठक में विधानसभा में अग्निशमन पर नई नीति लाने का निर्णय लिया गया है। बैठक के बाद कोलकाता के मेयर और राज्य के नगर निगम मंत्री फिरहाद हकीम ने इसकी घोषणा की। इस दिन, बैठक में कोलकाता के मेयर और राज्य के नगर निगम मंत्री फिरहाद हकीम के साथ एडीजी (कानून व्यवस्था) जावेद शमीम, कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा और प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में राज्य के तीन अन्य मंत्री सुजीत बसु, अरूप विश्वास और प्रदीप मजूमदार भी मौजूद थे। बता दें कि बड़ाबाजार की घटना के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य सचिव के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टास्क फोर्स कमेटी का गठन किया था। इस दिन, बैठक के बाद फिरहाद हकीम ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले ही अग्निशमन पर टास्क फोर्स का गठन कर दिया है। हम सभी विभागों के साथ मिलकर अग्निशमन कार्रवाई करना चाहते हैं। इसलिए सभी के साथ मिलकर नीति तैयार करनी होगी। आज की बैठक में सभी की राय लेकर एक मसौदा पर चर्चा की गई। इस पर 30 दिनों के भीतर अंतिम बैठक होगी और इसे नीति के रूप में कैबिनेट को सौंपा जाएगा। मेयर ने कहा कि उदाहरण के लिए, छतों को बेचा नहीं जा सकता है, और हम नीति में विवरण डालेंगे, जैसे कि अग्निशमन प्रणाली कहां स्थापित की जानी चाहिए। मेयर ने कहा कि पूरे राज्य का फायर ऑडिट का काम भी जल्द ही थर्ड पार्टी से शुरू किया जाएगा।

बंगाल में कोविड के 5 नए मामले, कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 27 हुई

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में कोविड-19 संक्रमण के मामले एक बार फिर बढ़ते दिख रहे हैं। बीते 24 घंटों में कोविड-19 के 5 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही राज्य में कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ कर 27 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की बुधवार को आई रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार से लेकर बुधवार तक कोलकाता में 27 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। इनमें से 5 लोग बुधवार को ही पॉजिटिव पाए गए। इस सूची में कोलकाता में रूसी महावाणिज्यदूत मैक्सिम कोजलोव भी शामिल हैं। बुखार और हल्की खांसी के कारण उनका आरटी-पीसीआर टेस्ट किया गया था। पता चला है कि टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आते ही उन्हें आइसोलेशन में भेज दिया गया। उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि 3 मरीजों का इलाज घर पर चल रहा है, जबकि 2 मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। अधिकांश संक्रमितों में हल्के लक्षण हैं और स्थिति नियंत्रण में है। किसी बड़े खतरे की आशंका नहीं है लेकिन स्वास्थ्य विभाग सतर्कता बरतने की सलाह दे रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने स्थानीय प्रशासन को जरूरत पड़ने पर त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा है। लोगों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनने और नियमित रूप से हाथ धोने जैसे बुनियादी उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है।

पूर्व रेलवे
ई-नीलामी आमंत्रण सूचना
सं.: सीओएम/ई-ऑक्शन/एचडब्ल्यूएच/2025 दिनांक 26.05.2025
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, चतुर्थ तल, रेल यात्री निवास बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा 03 वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों पर पार्किंग लॉट के परिचालन के लिए ठेका प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। ई-नीलामी की अधिक जानकारी एवं भागीदारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in ई-ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से देखें। कैटलॉग सं.: पार्क-एचडब्ल्यूएच-एमएवाई-3, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय : दिनांक 09.06.2025 को 14.00 बजे। क्रम सं., लॉट सं. और स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:
(1) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-पीडीए-टीडब्ल्यू-14-25-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और पाण्डुआ।
(2) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एसआईयू-टीडब्ल्यू-161-25-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और सिंगुर।
(3) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एसएलजी-टीडब्ल्यू-44-25-1 (पार्किंग-टू व्हीलर) और सिमलागढ़।
HWH-105/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहां देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

तीन लाख के नकली नोटों के साथ दो लोग गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बुधवार को नकली नोटों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी को बड़ाबाजार इलाके से तीन लाख रुपये के नकली नोटों के साथ पकड़ा गया है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, आरोपी का नाम मोहम्मद अख्तर है। गिरफ्तार मोहम्मद अख्तर से पूछताछ के बाद जासूसों ने गिरोह के एक अन्य सदस्य मोहम्मद आबिद को जोड़ासांको इलाके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों लोगों को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने अख्तर को पुलिस हिरासत में और आबिद को मेडिकल आधार पर जेल हिरासत में भेजने का आदेश दिया है।

शेख शाहजहां ने सीबीआई को दी खुली चुनौती, हाई कोर्ट में दाखिल की लिखित दलील

कोलकाता, समाज्ञा : हिंसा मामले में अपनी जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान संदेशखाली के विवादित नेता शेख शाहजहां ने सीबीआई की जांच पर सवाल उठाते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट में लिखित जवाब दाखिल किया है। उन्होंने दावा किया है कि जांच एजेंसी उनके खिलाफ ठोस सबूत पेश नहीं कर सकी है। शेख शाहजहां के वकीलों ने न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष की अदालत में जो लिखित दलील पेश की है, उसमें कहा गया है कि सीबीआई यह साबित करने में विफल रही है कि ईडी अधिकारियों पर हुए हमले के समय शाहजहां अपने घर पर मौजूद थे। वकीलों ने तर्क दिया कि सिर्फ मोबाइल टावर की लोकेशन से किसी व्यक्ति की सटीक उपस्थिति का पता

नहीं लगाया जा सकता, यह केवल यह दर्शाता है कि संबंधित व्यक्ति उस टावर की सीमा में मौजूद था। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सीबीआई को जो हथियार बरामद किए हैं, वे शेख शाहजहां के नहीं हैं बल्कि अबू तालेब शेख के घर से मिले हैं। वकीलों का यह भी कहना है कि अब तक कोई भी गवाह यह नहीं कह पाया है कि शेख शाहजहां के इशारे पर ईडी अधिकारियों या केंद्रीय बलों पर हमला किया गया था। न ही इस बात का कोई प्रमाण है कि शाहजहां ने भीड़ जुटाने में कोई भूमिका निभाई थी। सीबीआई ने भले ही फोन रिकॉर्डिंग का हवाला दिया हो, लेकिन अदालत में बातचीत का ट्रांसक्रिप्शन तक पेश नहीं किया गया। शाहजहां ने अपने बयान में खुद को एक मछली और ईंट व्यवसायी बताया है और कहा है कि अगर अदालत चाहे तो वह जमानत के लिए कोई भी शर्त मानने को तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सीबीआई ने शेख शाहजहां की जमानत याचिका का विरोध करते हुए अदालत में कहा था कि पांच जनवरी 2024 को जब ईडी की टीम केंद्रीय बलों के साथ राशन घोटाले की जांच में उनके घर पर छापा मारने गई थी, तब वहां हमला हुआ था। अदालत गर्मी की छुट्टियों के बाद इस मामले पर फैसला सुनाएगी।

अवैध संबंध के चलते आमडांगा में फायरिंग, प्रेमिका का पति घायल

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिला के आमडांगा इलाके में मंगलवार की रात अवैध संबंध को लेकर एक व्यक्ति पर फायरिंग कर दी गई। आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के एक पंचायत उप प्रधान के बेटे ने अपनी प्रेमिका के पति पर गोली चलाई। घायल युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि आरोपित अब भी फरार है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह घटना आमडांगा थाना अंतर्गत ताराबेड़िया पंचायत के रा-उतारा इलाके की है। पीड़ित मशीआर रहमान मंडल को गोली दाहिने कान के नीचे लगी है और उन्हें बारासात सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपित आरिफुल का मशीआर की पत्नी के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध था। इसे लेकर दोनों परिवारों में विवाद चलता रहा। मंगलवार की देर रात राउतारा के एक सुनसान इलाके में आरिफुल ने मशीआर पर अचानक गोली चला दी। आरोपित आरिफुल ताराबाड़िया पंचायत के तृणमूल उपप्रधान का बेटा बताया जा रहा है। घटना के बाद से वह फरार है। पुलिस ने अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि घायल की पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। इस वारदात के बाद आमडांगा का रा-उतारा इलाका भारी तनाव की चपेट में आ गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपित की तलाश जारी है।

उत्तर रेलवे के तहत सबवे के प्रावधान के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था
उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के तहत उतरेटिया जंक्शन-रायबरेली जंक्शन शाखा में लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 152 और 188 के बदले सीमित ऊंचाई के सबवे को स्थापित करने के लिए, दिनांक 31.05.2025 को 8 घंटे (09.30 बजे से 17.30 बजे तक) अप और डाउन लाइन दोनों पर पावर और ट्रैफिक ब्लॉक की आवश्यकता होगी। इसके फलस्वरूप निम्नलिखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी:
• मार्ग परिवर्तन : 13006 अमृतसर – हावड़ा मेल (यात्रा शुरू दिनांक 30.05.2025) और 13005 हावड़ा – अमृतसर मेल (यात्रा शुरू दिनांक 30.05.2025) उतरेटिया जंक्शन – सुल्तानपुर – माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ होकर मार्ग परिवर्तित करेंगी और दोनों दिशाओं में बछरावां, रायबरेली जंक्शन, जायस, गौरीगंज और अमेठी में नहीं रुकेंगी।
• नियंत्रण : 13168 आगरा कैंट – कोलकाता साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा शुरू दिनांक 31.05.2025) मार्ग में 1 घंटा 30 मिनट के लिए नियंत्रित की जाएगी।
यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए खेद है।
मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक
पूर्व रेलवे
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बर्खास्त शिक्षकों ने पीएम मोदी से अलीपुरद्वार दौरे के दौरान मुलाकात का मांगा समय

कोलकाता, समाज्ञा : बर्खास्त स्कूली शिक्षकों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से गुरुवार को उनके अलीपुरद्वार दौरे के दौरान पांच मिनट की मुलाकात के लिए समय देने का अनुरोध किया। शिक्षकों ने पूरे प्रकरण में हस्तक्षेप कर उनके संकट का समाधान निकालने में सहयोग करने का भी आग्रह किया। बर्खास्त शिक्षकों ने जिला प्रशासन, स्थानीय सांसद और भाजपा के जिला अध्यक्ष को पत्र सौंपकर अपना मामला प्रस्तुत करने के लिए प्रधानमंत्री से संक्षिप्त मुलाकात का अनुरोध किया है। प्रभावित शिक्षकों में से एक चिन्मय मंडल ने कहा कि हम अलीपुरद्वार में प्रधानमंत्री से मिलना चाहते हैं। हमने स्थानीय सांसद, भाजपा के जिला अध्यक्ष और जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। हम प्रधानमंत्री से अनुरोध करते हैं कि वे हमसे बात करें और हमारे मुद्दे को सुलझाने में मदद करें। प्रदेश भाजपा की ओर से अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि प्रधानमंत्री उनसे मिलेंगे या नहीं।

पानीहाटी में एक फ्लैट से दो संदिग्ध बांग्लादेशी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : सोदपुर के पानीहाटी में एक फ्लैट से दो संदिग्ध बांग्लादेशियों को गिरफतार किया गया है। पता चला है कि करीब दो महीने पहले अदिति नाम की महिला ने सोदपुर के पानीहाटी के वार्ड 31 में फ्लैट किराए पर लिया था। कथित तौर पर, तभी से उस फ्लैट में कई लोगों का आना-जाना लग गया। हालांकि, पहले तो फ्लैट मालिक को इस पर कुछ नहीं लगा, लेकिन बाद में उन्हें शक हुआ। दूसरे निवासियों के मन में भी हजारों सवाल उठने लगे। उन्होंने अदिति से जानना चाहा कि आने वालों की पहचान क्या है? लेकिन बताया जाता है कि अदिति सही जवाब नहीं दे पाई। इसके बजाय उसने फ्लैट में रहने वालों का मजाक उड़ाया। इसके बाद,

शक गहराता गया। कोई जवाब न मिलने पर फ्लैट के निवासियों ने प्रशासन से संपर्क किया। इस घटना में पुलिस पहले ही 2 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पता चला है कि उस फ्लैट में बांग्लादेशियों को आना-जाना था। लेकिन अदिति ने उन्हें क्यों छिपाया? पर्दे के पीछे क्या गुप्त गतिविधियां चल रही थीं? पुलिस ने पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

नौकरी से हटाए गए 'अयोग्य' शिक्षकों की याचिका खारिज, हाईकोर्ट ने कहा... हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता

कोलकाता : 26,000 शिक्षकों की नौकरी रद्द होने के मामले में एक बार फिर हाईकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाए बर्खास्त (अयोग्य घोषित) शिक्षक। लेकिन इस बार भी उन्हें राहत नहीं मिली। कोलकाता हाईकोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि इस मुद्दे पर फिलहाल हस्तक्षेप संभव नहीं, क्योंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और वहां से पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह घोषणा की थी कि 30 मई को नए सिरे से परीक्षा के लिए अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके विरोध में कुछ बर्खास्त शिक्षकों ने हाईकोर्ट का रुख किया और अदालत से अनुरोध किया कि वह इस मामले में हस्तक्षेप कर

नौकरी, वेतन और स्कूल में प्रवेश का रास्ता साफ करे।लेकिन न्यायमूर्ति पार्थ सारथी चट्टोपाध्याय ने याचिका स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा,

यह मामला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशाधीन है और वहां पहले से लंबित है। इसलिए कोलकाता हाईकोर्ट की ग्रीष्मावकाशकालीन बेंच इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगी।

याचिकाकर्ता शिक्षकों की ओर से कहा गया था कि:

❍ उनका वेतन बंद कर दिया गया है,

❍ वे स्कूल में प्रवेश नहीं पा रहे हैं,

❍ और अब नई परीक्षा में बैठने की पात्रता भी स्पष्ट नहीं है।

हालांकि, अदालत ने यह कहते हुए मामला खारिज कर दिया कि जब तक सर्वोच्च न्यायालय अंतिम फैसला नहीं देता, तब तक हाईकोर्ट किसी भी अंतरिम आदेश या हस्तक्षेप से बचना उचित समझती है।

इस फैसले के बाद अब बर्खास्त शिक्षकों के पास या तो सुप्रीम कोर्ट में फिर से अपील करने का रास्ता है, या सरकार से संवाद के ज़रिए समाधान की कोशिश करने का।

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/उत्पादन, आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये (ई-निविदा सं. एमसीएफ/ आरबीएल/ डि.सीइइ/पी/2024-25/03/ आर टी, दिनांक 24.05.2025) खुली एकल पैकेट प्रणाली आधारित भारतीय रेलवे पोर्टल www.ireps.gov.in द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का नामः "एलएचबी एलवीपीएच, एलडब्ल्यूएफएसी और एलडब्ल्यूएफसीडब्ल्यूएसी प्रकार के कोचों में उपकरणों की हैंडलिंग और स्थापना सहित पूर्ण वायरिंग कार्य और कार्य के दायरे के अनुसार एमसीएफ/आरबीएल में कोचों में बिछाने के लिए एलएचबी एलडब्ल्यूएस/डीडीजी कोचों के लिए केबल हार्नेस की तैयारी।" कार्य की अनुमानित लागत (₹) 50,54,799.39/-(रुपए पचास लाख चौवन हजार सात सौ निन्यानबे तथा उनतालीस पैसे मात्र) 18% जीएसटी सहित। अमानत राशिः (₹) 1,01,100.00 (रुपए एक लाख एक हजार एक सौ मात्र) निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) शून्य कार्य की मात्रा -कुल 126 एलएचबी एलवीपीएच, एलडब्ल्यूएफएसी और एलडब्ल्यूएफसीडब्ल्यूएसी प्रकार के कोच और 90 सेट एलडब्ल्यूएस/डीडीजी प्रकार के केबल हार्नेस (एक सौ छब्बीस एलएचबी एलवीपीएच, एलडब्ल्यूएफएसी और एलडब्ल्यूएफसीडब्ल्यूएसी प्रकार के कोच और नब्बे सेट एलडब्ल्यूएस/डीडीजी प्रकार के केबल हार्नेस)। कार्य समापन की अवधि-21 महीने। • ई-निविदा- दिनांक 19.06.2025 को 15:00 बजे तक ऑन-लाइन जमा कर सकते हैं। हस्तलिखित निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। • ई-निविदा- दिनांक 19.06.2025 को 15:30 बजे के बाद ऑन-लाइन http://www.ireps.gov.in के द्वारा खोली जाएगी। • ई-निविदा सूचना, टर्म्स एवं कंडीशन का पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/उत्पादन
वेबसाइट पता : www.ireps.gov.in एवं www.mcf.indianrailways.gov.in
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विप्रो मोड़ पर एसी 30 बस अनियंत्रित होकर बस स्टैंड में घुसी, बाल-बाल बचे यात्री

कोलकाता, समाज्ञा : साल्टलेक के विप्रो मोड़ पर बुधवार को एक एसी 30 बस अनियंत्रित होकर बस स्टैंड से जा टकराई। हालांकि, दैनिक यात्री बाल-बाल बच गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस दिन, सुबह में एसी 30 बस विप्रो की तरफ आ रही थी। ऑफिस का समय था, इसलिए बस स्टैंड पर यात्री थे। अचानक बस अनियंत्रित होकर बस स्टैंड में घुस गई। शेड टूटकर बस में घुस गया। सभी लोग घबरा गए। बस को तुरंत खाली करा लिया गया। पुलिस ने तुरंत क्रेन से बस को हटाया। हालांकि, इस घटना के बाद ऑफिस टाइम में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उस कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा।

एप के जरिए जुर्माना नहीं चुकाने पर नहीं मिलेगा परमिट, सीएफ या इंश्योरेंस, नए नियम के खिलाफ सड़क पर ऐप कैब ड्राइवर

कोलकाता : नए ट्रैफिक नियमों के खिलाफ ओला-उबर ऐप कैब ऑपरेटर एंड ड्राइवर्स यूनियन सड़कों पर उतर रही है। यूनियन का आरोप है कि सरकार ने एक नया नियम लागू किया है, जिसके तहत अगर ड्राइवर ऐप के जरिए ट्रैफिक जुर्माना नहीं चुकाते, तो उन्हें परमिट रिन्यूअल, सीएफ (फिटनेस सर्टिफिकेट), इंश्योरेंस और पॉल्यूशन सर्टिफिकेट नहीं मिलेगा। इस नियम को अत्याचारी बताते हुए ड्राइवरों ने गुरुवार, 29 मई को परिवहन विभाग के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया है।

यूनियन के अनुसार, पहले ड्राइवर लोक अदालत (लोक अदालत) के ज़रिए छूट पाकर जुर्माना चुका सकते थे, लेकिन अब वह रास्ता भी बंद हो रहा है। इसलिए अब उन्हें मजबूरी में आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ा है।

यूनियन के सह-सचिव सोहाग खान ने बताया कि यह आंदोलन पांच सूत्रीय मांगों को लेकर किया जा रहा है। इनमें शामिल हैं:

❍ ऐप के जरिए जुर्माना वसूलने की बाध्यता को हटाया जाए

❍ ऋणग्रस्त ड्राइवरों को प्राइवेट नंबर से कॉमर्शियल (पीली प्लेट) में तब्दील करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए

❍ राज्य सरकार और परिवहन विभाग की ओर से ज्यादा कैंप लगाए जाएं

❍ हर साल ऐप कैब के किराए की समीक्षा और घोषणा हो

❍ ड्राइवरों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए

ड्राइवरों का जमावड़ा 29 मई, सुबह 11 बजे से श्रमिक भवन के सामने शुरू होगा। वहां से एक रैली निकाली जाएगी, जो मौलाली और क्रिक रोड होते हुए परिवहन विभाग तक पहुंचेगी। इस दौरान गाड़ी मिचिल (वाहन जुलूस) की भी योजना है।

इस आंदोलन के चलते कोलकाता की सड़कों, खासकर मौलाली और परिवहन भवन के आसपास, यातायात जाम की स्थिति बन सकती है। दैनिक यात्रियों ने पहले ही असुविधा की आशंका जताई है।

ड्राइवरों की मांग है कि सरकार उनके संकट को गंभीरता से ले और तुरंत समाधान के लिए बातचीत शुरू करे।

बनगांव में मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति ने चार लोगों को चाकू मारा, पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश में हंगामा, 10 गिरफ्तार

कोलकाता : बनगांव थाना क्षेत्र में आज शाम एक बड़ी घटना सामने आई, जब एक मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति ने अचानक गुस्से में आकर चार लोगों को चाकू मार दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

हालांकि, इसके बाद हालात और तनावपूर्ण हो गए जब उग्र भीड़ का एक समूह पुलिस थाने पहुंचा और गिरफ्तार व्यक्ति को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश की। भीड़ ने थाना परिसर में रिसेप्शन डेस्क को नुकसान पहुंचाने का भी प्रयास किया। पुलिस ने स्थिति को तुरंत संभालते हुए भीड़ को तितर-बितर कर दिया और 10 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया। अन्य आरोपियों की

तलाश के लिए छापेमारी जारी है।

घटना में घायल हुए चार लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस घटना का कोई भी साम्प्रदायिक कोण नहीं है, और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आम नागरिकों से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की गई है।

मेट्रो रेलवे, कोलकाता
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मेट्रो रेलवे, कोलकाता निम्नानुसार ई-निविदा (लीजिंग) के तहत ई-निविदा सूचना आमंत्रित करते हैं: कार्य का नाम: तपन सिन्हा मेमोरियल हॉस्पिटल, मेट्रो रेलवे, कोलकाता के आईपीडी ब्लॉक की 5वीं मंजिल पर पीपीपी मॉडल पर 05 (पांच) बेड वाले आईसीयू के साथ व्यापक नेफ्रोलॉजी सेंटर (हेमोडायलिसिस और नेफ्रोलॉजी प्रोसीजर्स) की स्थापना; अनुबंध की अवधि: 05 वर्ष; आरओ प्लांट एरिया के साथ नेफ्रोलॉजी सेंटर (हेमोडायलिसिस और नेफ्रोलॉजी प्रोसीजर्स): 6092 वर्ग फीट [5वीं मंजिल - नेफ्रोलॉजी सेंटर (हेमोडायलिसिस और नेफ्रोलॉजी प्रोसीजर्स)] एवं 500 वर्ग फीट (7वीं मंजिल - आरओ प्लांट) आईपीडी ब्लॉक; पार्किंग एरिया:1200 वर्ग फीट; कार्य की अनुमानित लागत - **[मूल्य में प्रति वर्ष 7.5% की दर से प्रस्तावित वृद्धि की जाएगी] : रु.18,60,000/-, पहले वर्ष के लिए लागू जीएसटी को छोड़कर, **जीएसटी का भुगतान सेवा प्रदाता द्वारा किया जाएगा; बयाना राशि: रु.37,200/-; ई-निविदा (लीजिंग) शुरू होने की तिथि और समय : 28.05.2025 को 15.00 बजे; ई-निविदा (लीजिंग) की अंतिम तिथि और समय : 18.06.2025 को 15.00 बजे; स्वीकार्य प्राधिकारी : पीसीएमओ, मेट्रो रेलवे, कोलकाता; विंडो विज्ञापन के लिए नोटिस बोर्ड का स्थान : प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी का कार्यालय, मेट्रो रेलवे, कोलकाता, 28/55, एम. एन. सेन रोड, चंडीतला, कोलकाता - 700040; वेबसाइट का पता : निविदा सूचना, निविदा कागजात www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं; निविदा जमा करना : यह एक ई-निविदा है। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
ई-निविदा सं.: एमईडी-नेफ्रो-पीपीपी-2025-26
हमें यहाँ देखें: /metrorailwaykol /metrorailkolkata

खेत में मिला लापता किशोर का क्षत विक्षत शव

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के गोपालपुर पंचायत के उत्तरपाड़ा इलाके में एक खेत में बुधवार की सुबह एक किशोर शव मिला। खबर मिलने के बाद पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान अनारुल धाली (14) के रूप में हुई है। वह दक्षिण 24 परगना के गोपालपुर पंचायत के उत्तरपाड़ा इलाके का रहने वाला है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अनारुल मंगलवार की रात अपने घर से निकला था। तब से उसका पता नहीं चल रहा था। रात भर हर जगह तलाश करने के बावजूद कोई फायदा नहीं हुआ। इस दिन, सुबह में किशोर का क्षत विक्षत शव खेत में मिला। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस ने जाकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिवार का दावा है कि किशोर की हत्या की गई है। मृतक के परिवार ने दोषियों की शिनाख्त कर कडी सजा देने की मांग की है।

टेंगरा हत्याकांड : बेटे के बयान पर टिकी पिता और चाचा की किस्मत

❑ **पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ इसी हफ्ते चार्जशीट कर सकती है दाखिल**

कोलकाता, समाज्ञा : टेंगरा हत्याकांड में इस सप्ताह दो आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जाएगी। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में आरोपित दो भाइयों प्रणय दे और प्रसून दे पर अपने ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या और आत्महत्या का प्रयास करने का आरोप है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, चार्जशीट में उनके नाबालिग बेटे के बयान को मुख्य साक्ष्य के तौर पर शामिल किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि टेंगरा के प्रतिष्ठित दे परिवार का बड़ा बेटा प्रणय दे जब अपने बेटे के साथ कार में सवार होकर बाइपास के पास आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा था, तभी वह हादसे में घायल हुआ और उसे एनआरएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में ही पुलिस ने नाबालिग का बयान दर्ज किया, जिसे अब चार्जशीट में साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इस तरह, पिता प्रणय दे और चाचा प्रसून दे के खिलाफ परिवार का यही बेटा अदालत में गवाही दे सकता है।

घटना 19 फरवरी की सुबह की है, जब प्रणय और प्रसून ने आत्महत्या की कोशिश के दौरान बाइपास पर मेट्रो रेल के एक पिलर से अपनी कार टकरा दी। कार में नाबालिग बेटा भी मौजूद था। इसके तुरंत बाद पुलिस ने टेंगरा स्थित उनके घर से प्रणय की पत्नी सुदेष्णा दे, प्रसून की पत्नी रोमी और उनकी बेटी प्रियांबदा के शव बरामद किए। जांच में सामने आया कि दे परिवार की चर्म निर्माण और ग्लव्स निर्यात से जुड़ी कंपनी भारी आर्थिक संकट से गुजर रही थी। कारोबार में घाटा होने के कारण दोनों भाइयों पर आर्थिक दबाव काफी बढ़ गया था। इसी तनाव के चलते कथित तौर पर उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

पुलिस ने बताया कि नाबालिक ने भले ही अपनी मां, काकी और बहन को मरते नहीं देखा, लेकिन उन्हें खून से लथपथ हालत में कमरे में पड़ा देखा। उसने यह भी बताया कि उसके चाचा ने उसकी बहन प्रियांबदा की तरह उसे भी गला दबाकर मारने की कोशिश की थी। मगर योग में पारंगत होने के कारण उसने अपनी सांसें रोक लीं और किसी तरह बच निकला। इसके बाद उसके चाचा ने उसकी कलाई काटने की भी कोशिश की, लेकिन उसके पिता ने रोक दिया। पुलिस के अनुसार, नाबालिग के बयान से कई भ्रम दूर हुए और हत्या की साजिश से जुड़ी अहम जानकारियां हाथ लगीं। यही कारण है कि चार्जशीट में नाबालिग के बयान को महत्वपूर्ण गवाही के तौर पर शामिल किया जाएगा। इसके अलावा, दे परिवार के फैक्ट्री कर्मचारियों और रिश्तेदारों के भी बयान चार्जशीट में जोड़े जाएंगे। सियालदह अदालत में इस सप्ताह चार्जशीट दाखिल होने की संभावना है।

e-Auction
The Executive Officer,
Pingla Panchayat Samiti,
invites online application for selling of 799 Nos. of Standing trees by auction.
Auction Sale Notice No: 01/ Pingla/ 2025-26 Auction Id 2025_WB_4719. NOTICE INVITING E-TENDER NO.
Description Important Date
Last Date Online Application 03.06.2025 up to 04: 00 p.m.
Auction Start Date & Time: 05.06.2025 at 12.00 Noon
Auction End Date & Time 05.06.2025 at 4.00 PMDetails of the Auction notice is available in in website https:// eauction.gov.in
Sd/-
Executive Officer,
Pingla Panchayat Samiti

संकेत एवं दूरसंचार विभाग के परियोजना संस्थान में सेवा निवृत्त रेलवे कर्मियों की पुनर्नियुक्ति
सांकेतिक सूचना
अधिसूचना सं. ई.839/2/एसएंडटी/टीसीआई/री-इंगेजमेंट दिनांक 27.05.25
एस एंड टी परियोजना संस्थान, पूर्व रेलवे के नीचे उल्लिखित 22 रिक्त गैर-राजपत्रित पदों को भरने के लिए पूर्व रेलवे के संकेत एवं दूरसंचार विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:- • रिक्तियां : एसएसई/सिग-05, एसएसई/वर्क्स-01, एसएसई/डीआरजी-04, जेई/सिग-01 पद, सीनियर टेक (एसआईएम)-01, सीनियर टेक (डब्ल्यूएम)-02, एसआईएम-II-03, असिस्टेंट (एस एंड टी)-02, ओएस-02, स्टेनो ग्रेड - I - 01. • अवधि: एक वर्ष अथवा 65 वर्ष की उम्र तक, जो पहले हो। • उम्र की सीमा: 65 वर्ष तक। • वेतनमान: अनुबंध की अवधि के दौरान पारिश्रमिक के रूप में एक निर्धारित मासिक रकम देय होगा, जिसका निर्धारण सेवानिवृत्ति के समय आहरित वेतन से मूल पेंशन की रकम की कटौती कर किया जाएगा। निर्धारित पारिश्रमिक की रकम अनुबंध की अवधि तक अपरिवर्तित रहेगी। • कैसे आवेदन करें: एक लिफाफे में भलीभांति भरे हुए आवेदन के साथ प्रासंगिक संलग्निकाएं दिनांक 30.06.2025 को 16.00 बजे तक "वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी (इंजी.), प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, पूर्व रेलवे, 17, एन. एस. रोड, कोलकाता-700001 के कार्यालय" में भेजे जाने चाहिए, इसके उपरांत कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। किसी भी प्रकार की डाक विलम्बता के लिए आवेदक जिम्मेदार होगा तथा नियत तारीख के उपरांत कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। लिफाफे के आवरण पर "पूर्व रेलवे/परियोजना संस्थान में पुनर्नियुक्ति के लिए आवेदन" अंकित होना चाहिए। • आवेदन खुलने की तारीख: 01.06.2025। • आवेदन बंद होने की तारीख: 30.06.2025 • चयन का तरीका: इस उद्देश्य के लिए मनोनित कमिटी द्वारा उम्मीदवारों की जांच की जाएगी तथा कार्य की आवश्यकताओं, सेवा का विवरण/प्रासंगिक कार्य अनुभव इत्यादि को ध्यान में रखते हुए उनकी उपयुक्तता के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। • टिप्पणी: उम्र, शैक्षणिक योग्यता की गणना सेवा रिकार्ड के अनुसार की जाएगी। विस्तृत अधिसूचना के साथ अन्य नियम एवं शर्तें तथा आवेदन का प्रारूप वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन के लिए प्रारूप ऊपर उल्लेखित वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/परियोजना
पूर्व रेलवे
हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पॉक्सो मामले में गाइडलाइन उल्लंघन पर हाई कोर्ट सख्त, जांच अधिकारी के खिलाफ रुल जारी

अन्नू राय

कोलकाता, समाज्ञा : हांसखाली में पॉक्सो मामले में गिरफ्तारी और प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन्स के उल्लंघन को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने जांच में लापरवाही बरतने के लिए संबंधित जांच अधिकारी के खिलाफ रुल जारी करते हुए विभागीय जांच और कार्रवाई का आदेश दिया है। यह

मामला वर्ष 2022 की एक घटना से जुड़ा है, जिसमें एक नाबालक और नाबालिका के बीच यौन संबंध का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। हालांकि, इस मामले में एफआईआर करीब दो साल बाद, अगस्त 2024 में दर्ज की गई, जब नाबालिका के परिवार ने हांसखाली थाने में शिकायत की। इसके आधार पर पुलिस ने उस किशोर को गिरफ्तार किया, जो घटना के वक्त नाबालक था, लेकिन एफआईआर दर्ज होने के वक्त वह बालिग हो चुका था। इसके बावजूद पुलिस ने उसे बालिग मानकर गिरफ्तारी की। गिरफ्तारी की वैधता और एफआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोपित के परिवार ने मई 2025 में हाई कोर्ट का रुख किया। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विभास पटनायक ने पाया कि गिरफ्तारी के दौरान सुप्रीम कोर्ट की तय गाइडलाइन्स का पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पॉक्सो जैसे गंभीर मामलों में भी पुलिस यदि नियमों की अनदेखी करेगी तो यह कानून के दुरुपयोग का बड़ा खतरा पैदा करता है। कोर्ट ने हांसखाली थाने के तत्कालीन जांच अधिकारी दीपक कुमार मालाकार के खिलाफ रुल जारी किया और नदिया जिले के पुलिस अधीक्षक को विभागीय जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस आदेश के पालन के लिए समयसीमा भी तय की गई है। कोर्ट ने इस मामले को पूरे राज्य की पुलिस के लिए एक उदाहरण बताते हुए कहा है कि पॉक्सो जैसे मामलों में अत्यंत सावधानी और कानून के अनुपालन की आवश्यकता है। अदालत के इस आदेश को राज्य पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री के घर की ओर मार्च कर रहे बर्खास्त शिक्षकों को पुलिस ने रोका, कई गिरफ्तार, हाजरा मोड़ पर तनाव

कोलकाता

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार नई नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू करने की बात मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को स्पष्ट रूप से कही थी। इसके तुरंत बाद ही पुराने बर्खास्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का एक वर्ग यूनाइटेड टीचिंग एंड नॉन-टीचिंग फोरम के बैनर तले विरोध प्रदर्शन में उतर आया।

बुधवार को फोरम से जुड़े बर्खास्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का एक समूह हाजरा मोड़ से कालीघाट की ओर मुख्यमंत्री के आवास की ओर कूच करने की योजना बनाकर निकला। लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में ही रोक दिया और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर प्रिज़न वैन में भर दिया। इस घटना को लेकर हाजरा मोड़ इलाके में भारी तनाव फैल गया।

प्रदर्शनकारियों में वे लोग शामिल थे जिन्हें नॉट स्पेसिफिकली टेंटेड कहा जा रहा है - यानी जिन पर सीधे भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है, लेकिन फिर भी उन्हें स्कूल जाने से रोका गया है और वे वेतन से वंछित हैं। इनका कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा यह दावा किया गया कि सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं स्कूल जा रही हैं, जबकि ये 1803 लोग स्कूल नहीं जा पा रहे हैं।

फोरम के प्रमुख सदस्य कमलेश कपाट ने कहा, पहले जिन 17,206 योग्य उम्मीदवारों की सूची बनाई गई थी, उसमें हमारा नाम था। लेकिन अब एसएससी द्वारा डिप्टी इंस्पेक्टर ऑफिस को जो नई सूची भेजी जा रही है, उसमें 1803 लोगों को बिना किसी स्पष्ट कारण के हटा दिया गया है और एक नई 15,403 की सूची बनाई गई है। हमें यह नहीं बताया गया कि हमें क्यों हटाया गया।

इस विरोध के माध्यम से प्रदर्शनकारी सरकार से यह मांग कर रहे हैं कि उन्हें स्कूलों में वापस नियुक्त किया जाए और उनकी नौकरी तथा वेतन को फिर से बहाल किया जाए। फिलहाल इस मुद्दे को लेकर सरकार और आंदोलनकारियों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है।

सुंदरवन में मेधावी नाबालिग छात्रा की असामान्य मौत

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के गोसाबा ब्लॉक के सुंदरवन कोस्टल थाना अंतर्गत लाहिड़ीपुर जहर कॉलोनी इलाके में कक्षा छह की एक मेधावी नाबालिग छात्रा की असामान्य मौत से काफी सनसनी फैल गई। मृत छात्रा का नाम फाल्गुनी मंडल (11) है। वह स्थानीय रजत जुबली उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा थी। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय व पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, फाल्गुनी और उसके भाई के बीच झगड़ा हुआ था। फिर, शाम को परिजनों ने उसे कमरे में गले में फंदा लगाकर लटकता पाया। उसे आनन-फानन में नीचे उतारा गया। हालांकि, तब तक सब कुछ खत्म हो चुका था। घटना की खबर मिलने के बाद पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा की मौत की खबर से पूरे इलाके में शोक की लहर है।

नाबालिग की परवरिश में दादा-दादी की भूमिका अहम : कलकत्ता हाईकोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक दांपत्य विवाद के बीच नाबालिग बच्ची की परवरिश को लेकर महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। न्यायमूर्ति हिरनमय भट्टाचार्य ने कहा कि बच्ची का अपने दादा-दादी से मिलना और उनके साथ रहना न केवल नितांत आवश्यक है, बल्कि व्यावहारिक भी, जिससे वह पारिवारिक परंपराओं, सिद्धांतों और भावनात्मक जुड़ाव को समझ सके। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि हमारे समाज में दादा-दादी पोते-पोतियों से विशेष स्नेह रखते हैं, जैसा कि कहावत है - मूल से अधिक ब्याज प्यारा होता है। यह आदेश ऋषि अग्रवाल बनाम दीपिका अग्रवाल (खेतान) के तलाक और उनकी बेटी की अभिरक्षा से जुड़े मामले में पारित

किया गया। ज्ञात हो कि दीपिका अदालत के निर्देशों की अवहेलना करते हुए बच्ची को लेकर दिल्ली चली गई थी और तब से उसे पिता व दादा-दादी से मिलने नहीं दे रही थी। वरिष्ठ अधिवक्ता उदय गुप्ता ने अदालत में दलील दी कि बच्ची को जड़ों से अलग रखना उसके मानसिक और सामाजिक विकास के लिए नुकसानदायक है। अदालत ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए दादा-दादी की भूमिका को अपरिहार्य बताया।

मेमारी में घर के सामने सड़क के पास मिली दंपत्ति की खून से लथपथ लाश

इंजीनियर के बेटे की तलाश में जुटी पुलिस, सीसीटीवी की हार्ड डिस्क गायब

पूर्व बर्दवान : जिले के मेमारी में बुधवार को एक दंपत्ति की कथित तौर पर उनके घर के अंदर गला रेतकर हत्या व फिर उनके शवों को उक्त दंपत्ति के घर से सामने सड़क पर फेंक दिये जाने की घटना से हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जबकि, मृतक दंपत्ति के बेटे की तलाश जारी है। उक्त घटना जिले के मेमारी थाना अंतर्गत काशीरा मोड़ काजीपाड़ा इलाके की है। मिली जानकारी के अनुसार, इस दिन, सुबह में इलाके के लोग सड़क पर उक्त दंपति मुस्तफिजुर रहमान (65) व मुमताज परवीन (55) की खून से लथपथ लाश देखीं। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे, जो किसी हिंसक हमले की तरफ इशारा कर रहे थे। सड़क से लेकर उनके घर तक खून के धब्बे मौजूद थे। इससे शक गहराता जा रहा है कि दोनों को घर से घसीटते हुए सड़क तक लाया गया और बेरहमी से मार डाला गया। उक्त घटना के बाद से दम्पति का पेशे से सिविल इंजीनियर बेटा हुमायूं गायब है। उसकी पुलिस तलाश कर रही है। इधर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अर्क बनर्जी घटनास्थल पर पहुंचे। कथित तौर पर दोहरे हत्याकांड की जांच के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों को बुलाया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दंपत्ति का शव घर के सामने मिला, लेकिन घर का कोई भी सामान नहीं खोया गया। केवल सीसीटीवी की हार्ड डिस्क गायब है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह साफ तौर पर एक सुनियोजित हत्या है। उनका दावा है कि दोनों की किसी से कोई रंजिश नहीं थी, फिर भी इस निर्ममता से उनकी जान लेना किसी गहरी साजिश की ओर इशारा करता है। पुलिस के अनुसार, अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा, जांच शुरू हो गई है। अभी कुछ भी नहीं कहा जा सकता है।

मुर्शिदाबाद में केला बागान से नाबालिग का गला कटा शव बरामद

मुर्शिदाबाद : जिले के रानीनगर के मुंशीपाड़ा इलाके में बुधवार को एक नाबालिग का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान रबीउल शाह उर्फ राणा (16) के रूप में की गई है। वह 10वीं कक्षा का छात्र था। लेकिन, उसकी हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पूरी घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रबीउल हर दिन की तरह बुधवार की सुबह अपने मवेशियों के लिए घास काटने खेत में गया था। लेकिन, दोपहर होने के बाद भी वह घर नहीं लौटा। इसके बाद, परिजनों को शक हुआ। कई जगहों पर तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। अंत में, दोपहर करीब 3 बजे मुंशीपाड़ा के एक

खेत में केले के बागान से उसका गला कटा हुआ शव बरामद किया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उसके शरीर पर चोट के कई निशान भी पाए गए हैं। शव को पहले ही बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि रबीउल की हत्या क्यों की गई। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

बंगाल में तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट की आदत ने बढ़ाई रीढ़ की बीमारियों की संख्या

- **मणिपाल हास्पिटल ने सफल रोबोटिक स्पाइन सर्जरी से 1,000 से अधिक लोगों का जीवन बदला**
- **सर्जरी कराने वालों में बंगाल के सबसे अधिक 574 मरीज शामिल हैं**

कोलकाता, समाज्ञा: मणिपाल इंस्टीट्यूट आफ रोबोटिक स्पाइन सर्जरी (टकफरर), मणिपाल हास्पिटल, बेंगलुरु की टीम ने रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे 1,000 से अधिक लोगों का अब तक सफल रोबोटिक स्पाइन सर्जरी कर उनका जीवन बदल दिया है। इसमें सबसे अधिक बंगाल के 574 मरीज शामिल हैं। मणिपाल हास्पिटल के रोबोटिक स्पाइन सर्जरी विभाग के अध्यक्ष और एचओडी डा एस विद्याधर ने बुधवार को कोलकाता में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। डा विद्याधर ने दावा किया कि दो साल से कम समय में ये 1,000 से अधिक सर्जरी की गई है, जो एक रिकार्ड है। इसमें बच्चे से लेकर सभी उम्र के लोग शामिल हैं, जिनकी रीढ़ की हड्डी से जुड़ी विभिन्न तरह की समस्याओं का समाधान किया है और अब वे सामान्य जीवन जी रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि रोबोटिक सर्जरी बहुत ही सुविधाजनक है। इसमें लगभग 100 प्रतिशत सटीकता व शुद्धता है। यह सुरक्षित भी है। इंफेक्शन का रिक्स नहीं रहता है और मरीज बहुत जल्द रिकवर हो जाता है। डा विद्याधर ने कहा कि बंगाल से सबसे ज्यादा रीढ़ की समस्या से जुड़े मामले सामने आ रहे हैं। इसके पीछे उन्होंने बंगाल के लोगों में सबसे ज्यादा तंबाकू, बीड़ी व सिगरेट के सेवन जैसी बुरी आदत को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि ये चीजें अलकोहल से भी ज्यादा खतरनाक है, जो हड्डियों को काफी नुकसान पहुंचाता है।

उन्होंने लोगों से इन बुरी आदतों से दूर रहने का आह्वान किया। इस मौके पर रोबोटिक स्पाइन सर्जरी से ठीक होने वाले कई लोगों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

पायोनियर इंडिया ने बेंगलुरु में नया आरएंडडी केंद्र खोला, स्मार्ट मोबिलिटी नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

कोलकाता, समाज्ञा

पायोनियर इंडिया ने बेंगलुरु में अपने नए अनुसंधान एवं विकास केंद्र का उद्घाटन किया है, जो स्मार्ट मोबिलिटी और ऑटोमोटिव तकनीकों में नवाचार को गति देगा।

यह पहल कंपनी की वैश्विक रणनीति के तहत भारत में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान विकसित करने की दिशा में उठाया गया अहम कदम है।

नया केंद्र विशेष रूप से ऑटोमोटिव विजन, सेंसरिंग तकनीकों, उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली, डिजिटल कॉकपिट, क्लाउड-बेस्ड इंफोटेनमेंट, एआई आधारित प्लेटफॉर्म और दोपहिया वाहनों की कनेक्टिविटी पर केंद्रित रहेगा।

पायोनियर इंडिया के प्रबंध निदेशक अनिकेत कुलकर्णी ने बताया कि यह केंद्र भारतीय वाहन निर्माताओं के लिए त्वरित और स्थानीय समाधान विकसित करेगा।

साथ ही कंपनी 2026 से इन-कार उत्पादों का भारत में उत्पादन शुरू करेगी, जिससे 'मेक इन इंडिया' पहल को भी बल मिलेगा।

ट्रक ड्राइवर से 'तोला' मांगने पर मना करने पर भड़के सिविक वॉलंटियर, हमला करने की कोशिश, वीडियो वायरल

आरोपी सिविक वॉलंटियर के खिलाफ विभागीय जांच शुरू

आसनसोल : पश्चिम बंगाल के रानीगंज इलाके में एक सिविक वॉलंटियर द्वारा ट्रक ड्राइवर से अवैध रूप से 'तोला' (वसूली) मांगने और न मिलने पर उसके ऊपर हमला करने की कोशिश का मामला सामने आया है। यह पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। घटना के सामने आने के बाद आरोपी सिविक वॉलंटियर के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

घटना बीते सोमवार रात को 19 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। रानीगंज के सिविक वॉलंटियर सोमनाथ मंडल ने एक ट्रक को रोककर ड्राइवर से पैसे की मांग की। जब ट्रक चालक ने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो सोमनाथ ने उसके साथ बदसलूकी की और उस पर हमला करने की कोशिश की।

ट्रक ड्राइवर ने इस घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया, जिससे सोमनाथ और अधिक आक्रोशित हो गया। आरोप है कि उसने खुद को आम नागरिक साबित करने के लिए वर्दी उतार दी और ड्राइवर पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने समय रहते हस्तक्षेप कर दिया और घटना को गंभीर रूप लेने से रोक दिया।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने वीडियो की सत्यता की पुष्टि की है और आरोपी सिविक वॉलंटियर को तत्काल ड्यूटी से हटा दिया गया है। साथ ही आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस द्वारा उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

इस घटना ने एक बार फिर सिविक वॉलंटियर्स की भूमिका और उन पर निगरानी की जरूरत पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हावड़ा डिवीजन ने रेलवे परिसरों में थूकने पर सख्त कार्रवाई की तेज

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने रेलवे परिसरों में साफ-सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए थूकने पर सख्त कार्रवाई तेज कर दी है। डीआरएम संजीव कुमार के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच डिविजन में थूकने के कुल 31,121 मामले दर्ज किए गए और 36,07,800 का जुर्माना वसूला गया। अप्रैल 2025 में ही 2,871 मामलों में 4,23,650 का जुर्माना वसूला गया है। हावड़ा डिवीजन स्टेशन स्तर पर कड़ी निगरानी, नियमों का सख्त पालन और जागरूकता अभियान चलाकर यात्रियों में नागरिक जिम्मेदारी का भाव जागृत करने का प्रयास कर रहा है। भारतीय रेलवे नियम के तहत रेलवे संपत्ति पर थूकने पर 500 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इन नियमों को प्रभावी तरीके से लागू कर हावड़ा डिवीजन अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। डिविजन सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे थूकने से बचें और रेलवे परिसरों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

डायमंड हार्बर थाना के निकट विस्फोट, बारिश के कारण बड़ा खतरा टला

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर थाना के निकट बुधवार की शाम एक बड़ा विस्फोट हो गया। कहा जा रहा है कि पुलिस ने वहां जब्त किया हुआ बारूद और अन्य विस्फोटक रखा था। उसी में विस्फोट हुआ है। बुधवार की शाम करीब 7:40 बजे अचानक तेज आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। हालांकि, किसी के आहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन विभाग की गाड़ी पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। माना जा रहा है कि बारिश के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। डायमंड हार्बर थाने के पीछे एक तालाब है। पुलिस ने बताया कि बुधवार की सुबह विभिन्न इलाकों से कई विस्फोटक और बारूद जब्त किया गया था। उसे थाने के गोदाम में नहीं, बल्कि तालाब के पास रख दिया गया था। शाम को अचानक वहां आग लग गई और

जोरदार धमाका हुआ। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आग कैसे लगी। डायमंड हार्बर थाने के थानेदार अमरजीत बिस्वास ने कहा कि जब्त किए गए 20 से 25 किलो विस्फोटक (मुख्य रूप से कच्चा बारूद) पुलिस स्टेशन के पीछे रखे गए थे। बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया था लेकिन शाम को पानी के पास अचानक विस्फोट हो गया। उस समय भारी बारिश हो रही थी। कोई बड़ी क्षति नहीं हुई। कोई चोटिल नहीं हुआ। थाने को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

मानसून से निपटने को तैयार सियालदह मंडल, यात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय मौसम विभाग ने 25 मई को केरल में मानसून के आगमन की पुष्टि की है, जो सामान्य तिथि से आठ दिन पहले है। यह पिछले 17 वर्षों में सबसे जल्दी हुआ मानसून आगमन है। पश्चिम बंगाल में भी इसके 28 मई तक पहुंचने की संभावना है, जिससे आगामी चार महीने रेलवे संचालन के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। ऐसे में सियालदह मंडल ने स्थिति से निपटने के लिए पहले से व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। मंडल रेल प्रबंधक डॉ. राजीव सक्सेना की अध्यक्षता में बुधवार एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई, जिसमें यात्रियों की सुरक्षा और सुचारु ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में राहत पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों पर डीजल जनरेटर (डीजी सेट्स) लगाए गए हैं। भारी बारिश में जलभराव रोकने

हेतु पंपिंग सिस्टम सक्रिय किए गए हैं। आपात नियंत्रण कक्ष 24 घंटे चालू रहेगा, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी स्थिति की निगरानी करेंगे। सभी प्रमुख सेक्शनों में संचालन, इंजीनियरिंग, यांत्रिकी, सिग्नल एवं दूरसंचार विभागों के विशेषज्ञों की तैनाती की गई है। रेलवे सुरक्षा बल को हाई अलर्ट पर रखा गया है और 800 रेन प्रोटेक्शन सूट वितरित किए गए हैं। पिछले वर्ष अत्यधिक बारिश के कारण ट्रैक फेल्योर की 54 घटनाएं हुई थीं, जिससे बचने के लिए ड्रेनेज सिस्टम की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी 204 स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म शेड की स्थिति की जांच हो चुकी है। सोनारापुर, बारासात, बनगांव, रानाघाट व बैरकपुर में वर्षा मापक और 9 जगहों पर एनिमोमीटर लगाए गए हैं, ताकि हवा की गति व बारिश की गंभीरता को मापा जा सके और त्वरित कार्रवाई हो सके।

ओरिएंटल ट्राइमेक्स ने वित्त वर्ष 2025 में व्यवसाय संचालन सफलतापूर्वक बदला

चौथी तिमाही में राजस्व में चार गुना वृद्धि का अनुमान

कोलकाता, समाज्ञा : ओरिएंटल ट्राइमेक्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपने व्यावसायिक संचालन को सफलतापूर्वक बदलते हुए चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कंपनी ने मार्च 2025 में समाप्त चौथी तिमाही में 5.97 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 6.43 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। इसी अवधि के दौरान राजस्व 453 प्रतिशत बढ़कर 16.66 करोड़ रुपये हो गया। ओडिशा सरकार से कंपनी को ब्लैक ग्रेनाइट माइनिंग के लिए 30 साल की लीज मिली है, जिससे कंपनी को सालाना 10 से 15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है। इस माइनिंग साइट पर कंपनी के संचालन से संसाधन स्वामित्व, लागत दक्षता और मूल्य श्रृंखला एकीकरण में सुधार होगा।

Oriental Trimex Limited

कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में 48.51 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इसके बाद, एडलवाइस को 39.55 करोड़ रुपये का भुगतान कर कंपनी कर्ज मुक्त होने के करीब पहुंच गई है, जो उसकी वित्तीय मजबूती को दर्शाता है। ओरिएंटल ट्राइमेक्स का यह विकास उसके बाजार में अग्रणी स्थिति को मजबूत करता है और कंपनी की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

केवल काव्य परिवार की प्रथम मासिक काव्य गोष्ठी कोलकाता में संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : बड़ाबाजार लाइब्रेरी में केवल काव्य परिवार की प्रथम मासिक काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष केवल कोठारी की अध्यक्षता में किया गया। इस साहित्यिक आयोजन में कोलकाता के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 50 कवि और कवयित्रियों ने काव्यपाठ कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। गोष्ठी की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसे हिमाद्रि मिश्र ने प्रस्तुत किया। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वागता बसु, जयकुमार रुसवा, राजेंद्र द्विवेदी, सुरेश चौधरी, नंदलाल रौशन एवं अभिज्ञात उपस्थित रहे। केवल कोठारी और प्रदेश अध्यक्ष जयकुमार रुसवा ने प्रेरणादायी उद्बोधन से उपस्थित

श्रोताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन विश्वजीत शर्मा 'सागर' ने किया, जिन्होंने अपने संयोजकत्व से मंच को अनुशासित और जीवंत बनाए रखा। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में पुनीत अग्रवाल, विश्वजीत शर्मा, कमल पुरोहित, दयाशंकर मिश्रा एवं रमाकांत सिन्हा की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। आभार प्रदर्शन संस्था के सचिव पुनीत अग्रवाल ने किया। यह गोष्ठी केवल काव्य प्रेमियों के लिए ही नहीं, बल्कि कोलकाता की साहित्यिक गतिविधियों के लिए भी एक प्रेरक पहल बनकर सामने आई।

फुटबॉल खेलने के दौरान गोल पोस्ट टूटकर बच्चे पर गिरा, मौत

कोलकाता, समाज्ञा : फुटबॉल खेलने गए एक किशोर की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, गत मंगलवार की दोपहर नदिया के चकदह थाना अंतर्गत शिकारपुर बेले मठ इलाके में गोल पोस्ट टूटकर बच्चे पर गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृत बच्चे का नाम विशाल मंडल (7) है। वह मदनपुर दो नंबर ग्राम पंचायत के बेले मठ इलाके में रहता था। वह मदनपुर के शिकारपुर राममोहन प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीसरी का छात्र था। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, विशाल को हमेशा से फुटबॉल खेलना पसंद था। हर दोपहर में विशाल अपने सहपाठियों के साथ फुटबॉल खेलने जाता था। इस दिन, दोपहर में विशाल दूसरे बच्चों

के साथ खेलने गया था। खेलने के दौरान अचानक फुटबॉल का गोल पोस्ट उसके ऊपर गिर गया। अन्य लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। घायल बच्चे को गंभीर हालत में कल्याणी के जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने घायल बच्चे को मृत घोषित कर दिया। विशाल की मौत से इलाके में मातम पसर गया है।

हावड़ा डिवीजन ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक हटाने और स्टेशन साफ रखने पर दिया जोर

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने 'प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें' थीम के तहत बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर प्रमुख स्टेशनों पर कई प्रभावी पहलें शुरू कीं। यह अभियान डीआरएम संजीव कुमार के निर्देशन में हावड़ा, वर्दवान, सेरामपुर, कामरकुंडू, बंडेल, आजिमगंज, बोलपुर, रामपुरहाट, कटवा स्टेशनों और हावड़ा रेलवे कॉलोनियों (गुलमोहर और बामनगाछी) में आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत हावड़ा, सेरामपुर, बंडेल और रामपुरहाट स्टेशनों पर प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की समीक्षा और रखरखाव किया गया, जिससे इनकी कार्यक्षमता बढ़ाई गई। ये मशीनें उच्च यात्री संख्या वाले क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और

डिवीजन के एकल-उपयोग प्लास्टिक पर निर्भरता को कम करने के लक्ष्य में सहायक हैं। इसके अतिरिक्त, हावड़ा, बंडेल और बोलपुर स्टेशनों पर पानी भरने के बिंदुओं की समीक्षा की गई, ताकि यात्रियों को पुन: उपयोग योग्य बोतलों को भरने के लिए प्रेरित किया जा सके और एकल-उपयोग प्लास्टिक पानी की बोतलों के उपयोग को हतोत्साहित किया जा सके। हावड़ा ओल्ड कॉम्प्लेक्स में 30 नए डस्टबिन स्थापित किए गए, जिससे डिवीजन के एक व्यस्ततम स्टेशन में कचरा संग्रहण और पृथक्करण बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ किया गया। ये समन्वित प्रयास हावड़ा डिवीजन की स्थिरता, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

भारत की आतंकवाद के खिलाफ 'आयरन फिस्ट पालिसी' को लेकर अभिषेक बनर्जी का सशक्त संदेश

❑ आसियान और इंडोनेशियाई नेताओं से मुलाकात

जकार्ता/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने जकार्ता में एक महत्वपूर्ण राजनयिक मिशन के तहत भारत की ओर से आतंकवाद के खिलाफ 'आयरन फिस्ट पालिसी' यानी लोहे की मुट्ठी जैसी कठोर नीति का स्पष्ट संदेश दिया। इस मिशन का उद्देश्य क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ एकजुट रुख को मजबूत करना था। इस दौरान उन्होंने इंडोनेशिया के कई उच्चपदस्थ संसदीय और कूटनीतिक प्रतिनिधियों से

मुलाकात की। अभिषेक बनर्जी ने इंडोनेशिया-भारत संसदीय मैत्री समूह के चेयरपर्सन माननीय मोहम्मद रोफिक़ी और इंटर-पार्लियामेंटरी कोऑपरेशन समिति के उपाध्यक्ष माननीय मोहम्मद हुसेन फदलुल्लाह से भी भेंट की। इन बैठकों में उन्होंने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के कड़े रुख को साझा किया। इसके साथ ही उन्होंने आसियान महासचिव डॉ. काओ किम हॉर्न से भी मुलाकात की, जिन्होंने भारत के साथ समग्र रणनीतिक साझेदारी को लेकर आसियान की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्षों ने आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त प्रयासों पर बल दिया। अभिषेक ने विदेश मंत्रालय के उपमंत्री आरिफ हवास ओएग्रोसेनो से भी मुलाकात की और शांति, सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में बातचीत की। अभिषेक बनर्जी ने यह भी कहा कि इन कठिन समय में भारत और आसियान के साझा विश्वास ही एकजुट और निर्णायक प्रतिक्रिया का मार्गदर्शन करेंगे। यह दौरा भारत की आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त और स्पष्ट नीति को दर्शाता है।

खिदिरपुर में महिला से दुर्व्यवहार और सोने की चेन की लूट का आरोप ऐप-बाइक चालक पर, आरोपित फरार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में ऐप से बुक की गई बाइक पर सवार एक युवती के साथ रास्ते में छेड़छाड़ और सोने की चेन की लूट की घटना सामने आई है। यह घटना खिदिरपुर और रेड रोड के जंक्शन पर हुई। पीड़िता के विरोध करने पर बाइक चालक ने कथित तौर पर उसके साथ हाथापाई की और उसकी चेन छीनकर फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की शिकार युवती इकबालपुर की रहने वाली हैं। पुलिस ने बुधवार की सुबह एक बयान में बताया है कि वह किसी निजी काम से मध्य कोलकाता जा रही थीं। इसके लिए उन्होंने अपने घर के पास से एक ऐप-आधारित बाइक बुक की थी। युवती का आरोप है कि बाइक पर बैठते ही चालक ने उसके

साथ अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया और अश्लील टिप्पणियां की। युवती ने बाइक पर ही इसका विरोध किया।

पुलिस को दी शिकायत में युवती ने बताया कि जब बाइक खिदिरपुर और रेड रोड क्रॉसिंग पर पहुंची, तो चालक ने अचानक उसे बाइक से उतर जाने को कहा। जब उसने इसका कारण पूछा तो दोनों के बीच बहस हो गई। इसी दौरान चालक ने उसके साथ छेड़छाड़ की और जब वह विरोध में उसके पास गई, तो उसने उसे धक्का दे दिया और उसकी गले की सोने की चेन छीनकर बाइक सहित फरार हो गया। युवती ने तुरंत 100 नंबर डायल कर पुलिस को सूचित किया। इसके बाद, हेस्टिंग्स थाने की टीम मौके पर पहुंची और शिकायत दर्ज की। पुलिस ने बताया कि बाइक का जो नंबर युवती ने बताया, उस पर कॉल करने पर वह नंबर किसी चालक का न होकर एक वर्चुअल नंबर निकला, जो ऐप कंपनी द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। फिलहाल, हेस्टिंग्स थाना पुलिस ने ऐप-बाइक सेवा प्रदाता कंपनी को ईमेल भेजकर आरोपित चालक का वास्तविक मोबाइल नंबर और पहचान संबंधी जानकारी मांगी है। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही आरोपित चालक को पकड़ने की कोशिश में जुट गई है।

दिनदहाड़े मांस व्यवसायी पर चाकू से जानलेवा हमला

हुगली : श्रीरामपुर थानांतर्गत धर्मतला इलाके में बुधवार को एक मांस व्यवसायी अब्दुल कुरैशी पर दिनदहाड़े चाकू से जानलेवा हमला किया गया। घटना के समय अब्दुल अपनी दुकान के सामने खड़े थे, तभी अचानक एक व्यक्ति ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। स्थानीय लोगों द्वारा घायल को तत्काल श्रीरामपुर वाल्श अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बताई गई। चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें कोलकाता स्थित एसएसकेएम अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित की एक मुर्गी मांस की दुकान है, जिसे अब्दुल ने कथित रूप से बंद करवा दिया था। प्रारंभिक जांच में पुलिस का मानना है कि पुरानी रंजिश के चलते यह हमला हुआ है। फिलहाल, आरोपित फरार है और उसकी तलाश जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

पार्टी निर्देशों की अनदेखी कर तृणमूल कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन, चार गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले के दासनगर थाने के बाहर तृणमूल कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को काली झंडी लेकर विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यह प्रदर्शन पार्टी नेतृत्व के निर्देशों के खिलाफ जाकर किया गया, जिससे संगठन के भीतर असहजता और असंतोष की स्थिति पैदा हो गई है। पूरी घटना की शुरुआत रविवार को उस समय हुई जब दासनगर के विवेकानंद पल्ली इलाके में तृणमूल समर्थित एक व्यक्ति ने कथित रूप से नाली निर्माण का कार्य रुकवा दिया। मजदूरों ने इस मामले की शिकायत दासनगर थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इसी कार्रवाई से नाराज होकर शिवपुर विधानसभा क्षेत्र के तृणमूल ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र शर्मा ने सोमवार रात पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ थाने का घेराव किया और हावड़ा-आमता रोड पर लंबा अवरोध किया।

इस दौरान पुलिस से तीखी बहस हुई और दुर्व्यवहार के आरोप लगाए गए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बार-बार इस तरह के प्रदर्शनों से हावड़ा सदर के तृणमूल अध्यक्ष गौतम चौधरी नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस मंत्री स्वयं मुख्यमंत्री हैं और ऐसे में पुलिस के खिलाफ सार्वजनिक प्रदर्शन करना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि इस घटनाक्रम की रिपोर्ट पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भेजी जाएगी और आगामी सोमवार को प्रस्तावित नई कमिटी की बैठक में इस मुद्दे पर विशेष चर्चा की जाएगी। इस पूरे मामले में शिवपुर ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र शर्मा ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

छात्र आत्महत्या मामले में सिविक वॉलंटियर को हटाया गया, परिजन ने की गिरफ्तारी की मांग

पूर्व मेदिनीपुर : चिप्स चोरी के झूठे आरोपों के चलते आत्महत्या करने वाले छात्र के मामले में पूर्व मेदिनीपुर जिला पुलिस अधीक्षक सौम्यदीप भट्टाचार्य ने आरोपित सिविक वॉलंटियर शुभंकर दीक्षित को तत्काल प्रभाव से सेवा से मुक्त कर दिया है। इस मामले में आरोपित के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होने के बाद यह कार्रवाई की गई। घटना 18 मई की है, जब एक नाबालिग छात्र ने शुभंकर दीक्षित की दुकान के सामने से ज़मीन पर पड़े तीन पैकेट चिप्स उठा लिए थे। बताया जा रहा है कि दुकान में कोई मौजूद नहीं था। इसके बाद

शुभंकर ने छात्र को पकड़ लिया और उससे पैसे लिए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस घटना को देखकर श्यामचरण भुइंया नामक एक व्यक्ति ने नाबालिग को उकसाना शुरू किया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि छात्र की मां ने बाद में अपने बेटे को शुभंकर की दुकान के सामने ले जाकर पीटा। इससे मानसिक रूप से टूट चुके छात्र ने घर लौटकर ज़हर पी लिया। 22 मई को उसकी मौत तमलुक अस्पताल में हो गई। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने शुभंकर के घर पर हमला किया। श्यामचरण और शुभंकर दोनों फरार हो गए। छात्र की मां ने पांशकुड़ा थाने में शुभंकर और उनके परिवार के चार अन्य सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाया है। पुलिस अधीक्षक सौम्यदीप भट्टाचार्य ने कहा कि जब किसी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होता है, तो उस स्थिति में उसे सेवा से मुक्त कर दिया जाता है। इसलिए शुभंकर दीक्षित को डिमोबिलाइज किया गया है।

मानसून सत्र के दौरान भाजपा विधायकों पर स्पीकर रखेंगे नजर

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में विपक्षी भाजपा विधायकों पर स्पीकर नजर रखेंगे। विधानसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, नौ जून से शुरू हो रहे मानसून सत्र में कई विधेयकों और महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होनी है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेना की सफलता पर भी चर्चा होने की बात है। इसके अलावा, विधानसभा के इस सत्र में कुछ ऐसे मुद्दों पर चर्चा होने है, जिससे सत्र के दौरान हंगामा हो सकता है। इसलिए स्पीकर बिमान बनर्जी सत्र में शामिल होने और विरोध के नाम पर बार-बार पेपर फाड़कर सदन में उछालने की घटना न हो इसे लेकर गंभीर हैं। विधानसभा सचिवालय के

सूत्रों ने बताया कि मानसून सत्र के दौरान कागजात फाड़ने में भाजपा विधायकों द्वारा उठाए गए कदमों पर नजर रखेंगे। हालांकि, अगर विपक्षी विधायक फिर से विधानसभा के बुलेटिन, विधेयक या जरूरी कागजात फाड़ना शुरू करते हैं तो स्पीकर फिर से उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दे सकते हैं।

अलीपुरद्वार में पीएम मोदी के सभा स्थल का निरीक्षण करते प्रदेश प्रभारी सुनील बंसल, सांसद मनोज टिग्गा, पूर्व केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रमाणिक, अमिताभ चक्रवर्ती व अन्य

सीटा की वार्षिक आम सभा में बनी नई कार्यकारिणी, विशिष्टजनों को किया गया सम्मानित

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता इलेक्ट्रिक ट्रेडर्स एसोसिएशन (सीटा) की वार्षिक आम सभा (एजीएम) 24 मई को अत्यंत भव्य और गरिमामयी वाता-वरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर व्यापार जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों और संगठन प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही, जिनमें सीडा के अध्यक्ष आलोक सिंह और सचिव अभिषेक वर्मा, सीएमडीए के अध्यक्ष विनोद कुंदलिया और सचिव अमिताभ दसानी, सीडबल्यूबीटीए के उपाध्यक्ष राजेश भाटिया और सीसीएफडीए के अध्यक्ष कमल कुमार सुराना प्रमुख थे। कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रभावशाली ऑडियो-विजुअल प्रजेंटेशन से हुई, जिसमें सीटा की उपलब्धियों, योजनाओं और नवाचारों को दर्शाया गया।

आशीष अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण में संगठन की डिजिटल पहलों-नई वेबसाइट, मोबाइल ऐप और यूट्यूब चैनल का शुभारंभ किया। जिनमें मोहित गिनोड़िया और गौतम बेगानी का विशेष योगदान रहा। पुरस्कार समिति संयोजक ओ.पी. चांडक ने विशिष्टजनों को सम्मानित किया, जिनमें मरणोपरांत सीटा सम्मान से स्व. प्रकाश चंद्र कोचर, सीटा मैन ऑफ द ईयर से गौतम बेगानी, एस. के. बलासरिया स्मृति पुरस्कार से उमाकांत अग्रवाल (बंटी), सीटा सर्वश्रेष्ठ महिला उद्यमी पुरस्कार से कविता ख़ेतावत, जेके पॉलीकैब स्कॉलरशिप अवार्ड से कु. ईशा बांका, एस.एम. बच्छावत यंग डायनामिक अचीवर अवार्ड से मीनेश ठाकरार, यशवर्धन खेतवानी मेमोरियल अवार्ड से अरविंद कुमार डागा को सम्मानित किया गया।

व्यवसाय सत्र में चुनाव समिति अध्यक्ष उमाकांत अग्रवाल ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें जितेंद्र सुराना को अध्यक्ष, आलोक सिंह को सचिव, कमल कुमार सुराना को उपाध्यक्ष और राजकुमार बरडिया को कोषाध्यक्ष एवं अन्य कार्यसमिति सदस्यगण शामिल है। यह आयोजन न केवल संगठन की एकता और नेतृत्व को सुदृढ़ करता है, बल्कि व्यापारिक दृष्टिकोण को डिजिटल और संगठित रूप में आगे बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

निर्माणाधीन पुलिया के गड्ढे से बुजुर्ग का शव बरामद, लापरवाही का आरोप

दक्षिण दिनाजपुर : जिले के कुमारगंज प्रखंड के अमृतपुर इलाके में निर्माणाधीन पुलिया के कारण एक बुजुर्ग की जान चली गई है। मृतक का नाम सुशील दास (56) है। मंगलवार को मृतक का शव निर्माणाधीन पुलिया के गड्ढे से बरामद किया गया। आरोप है कि निर्माणाधीन पुलिया के गड्ढे में गिरने से बुजुर्ग की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग अपने एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद मंगलवार रात अमृतपुर अपने घर लौट रहे थे। अंधेरे होने की वजह से पुलिया के गड्ढे में गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। आरोप है कि इतनी महत्वपूर्ण सड़क पर काम के दौरान कोई चेतावनी

संकेत, बैरिकेड या लाइट नहीं थी। अंधेरे होने के कारण यह हादसा हुआ है। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने गड्ढे में बुजुर्ग का शव पड़ा देखा। इसके बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया। गुस्साए लोगों गैर जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ क़ानूनी कार्रवाई की मांग में हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

दांतन में सड़क दुर्घटना में सात घायल

पश्चिम मेदिनीपुर : जिला अंतर्गत बुधवार की सुबह हुई सड़क दुर्घटना में सात लोग घायल हो गए। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई गई है। घटना दांतन थाना क्षेत्र के मोगलमारी बस स्टैंड इलाके में हुई है। सूत्रों के अनुसार, इस दिन, सुबह में दांतन थाना अंतर्गत मोगलमारी बस स्टैंड इलाके में एक चार पहिया वाहन एक फल की दुकान से टकरा गया। साथ ही, एक टोटो और एक साइकिल सवार को भी टक्कर मार दी। दुर्घटना में सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों को दांतन ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

नदी में कूदकर विवाहिता ने की आत्महत्या

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में बुधवार की सुबह एक महिला ने नदी में कूदकर जान दे दी। इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी फ़ैल गई है। बताया जा रहा है कि इस दिन, सुबह करीब 10.30 बजे डायमंड हार्बर में हुगली नदी के किनारे मुक्तांगन के पास चाय की दुकान पर एक महिला बैठी थी। अचानक वह नदी के किनारे चली गई। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, वह नदी में कूद गई। स्थानीय लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की और पानी से बाहर निकाला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही डायमंड हार्बर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिला को डायमंड हार्बर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेज दिया। जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। खबर लिखे जाने तक महिला की पहचान नहीं मिल पाई थी। पुलिस उसकी शिनाख्त करने की कोशिश कर रही है।

डांस बार और रेस्तरां में शराब बिक्री पर समयसीमा तय करने की मांग पर मुख्यमंत्री को पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : शहर के दो प्रमुख सामाजिक संगठनों कंसर्न फॉर कलकत्ता और कलकत्ता सिटिजन्स इनिशिएटिव ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य की वित्त राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य से अपील की है कि कोलकाता के डांस बार सहित सभी बार-लाइसेंस प्राप्त रेस्तरां में शराब की बिक्री रात 11:30 बजे तक सीमित की जाए। संगठनों ने इस संबंध में कड़े नियम लागू करने की मांग भी उठाई है। एनजीओ के प्रवक्ता और सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष नारायण जैन ने कहा कि कई बार और रेस्तरां रात भर खुले रहते हैं और कुछ स्थानों पर शराब बिक्री का सिलसिला सुबह 5:30 बजे तक चलता है, जो पूरी तरह अवैध है। उन्होंने चेताया कि ऐसे लंबे संचालन समय के कारण नशे में गाड़ी

चलाने, सार्वजनिक अशांति और महिलाओं के उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है। संगठन ने यह भी चिंता जताई कि कई बार अग्नि सुरक्षा मानदंडों की अनदेखी करते हैं, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है। हाल ही में रितु राज होटल में लगी आग की घटना का हवाला देते हुए वरिष्ठ सदस्य डी. सी. चौधरी ने कहा कि ऊपरी मंजिलों पर स्थित शराब विक्रय केंद्रों में अक्सर आग से बचाव के पर्याप्त उपाय नहीं होते, जिससे जान-माल का भारी खतरा बना रहता है। कंसर्न फॉर कलकत्ता के अध्यक्ष ओ.पी. झुनझुनवाला ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 47 का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य का कर्तव्य है कि वह शराब और नशीले पदार्थों पर नियंत्रण रखे। उन्होंने कहा कि निर्देशक सिद्धांतों को लागू करने में सरकार अब तक विफल रही है। संगठनों ने कोलकाता नगर निगम के मेयर द्वारा छतों पर बार बंद करने की पहल की सराहना की और मांग की कि यह प्रतिबंध पहली मंजिल से ऊपर की सभी मंजिलों पर भी लागू किया जाए। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि बार और डांस बारों को नए लाइसेंस जारी करने से परहेज किया जाए और मौजूदा नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। इन संगठनों का मानना है कि इस तरह के कदम कोलकाता में सार्वजनिक व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा और नागरिकों के स्वास्थ्य हितों की रक्षा के लिए बेहद आवश्यक हैं।

आरजीकर आंदोलन से जुड़े डॉक्टरों की मनमानी पोस्टिंग पर कानूनी लड़ाई की तैयारी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार अब एक और कानूनी चुनौती का सामना करने जा रही है। आरोप है कि राज्य स्वास्थ्य विभाग ने आरजीकर मेडिकल कॉलेज में हुए आंदोलन से जुड़े तीन सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को जानबूझकर मनमाने तरीके से दूर-दराज के अस्पतालों में पोस्ट कर दिया है। ये तीन डॉक्टर देबाशीष हालदार, अनिकेत महतो और असफ़कुल्ला नैया अगस्त 2024 में आरजीकर मेडिकल कॉलेज परिसर में एक महिला डॉक्टर के साथ हुई दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद शुरू हुए जूनियर डॉक्टर आंदोलन के प्रमुख चेहरे थे। डॉक्टरों का आरोप है कि काउंसलिंग सत्र में भाग लेने वाले कुल 778 डॉक्टरों में से किसी और की प्राथमिक पसंद को नजरअंदाज नहीं किया गया, सिर्फ इन्हीं तीनों को ही मनचाही जगह से वंचित रखा गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें आंदोलन में भाग लेने की 'सज़ा' दी गई है। देबाशीष हालदार ने बताया कि उन्होंने हावड़ा जिला अस्पताल को अपनी पहली पसंद के रूप में चुना था, लेकिन उन्हें मालदा जिले के गाजोल के ग्रामीण अस्पताल में भेजा गया, जबकि वहां सीनियर रेजिडेंट की कोई स्वीकृत रिक्ति नहीं है। अनिकेत महतो, जिन्होंने अपनी पोस्ट ग्रेजुएशन आर.जी. कर से की थी, उन्हें उत्तर दिनाजपुर के रायगंज अस्पताल में तैनात कर दिया गया। असफकुल्ला नैया को हुगली जिले के आरामबाग के बजाय पुरुलिया जिले के मेडिकल कॉलेज में नियुक्त किया गया है। पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर फ्रंट ने इस पोस्टिंग प्रक्रिया को घोर अन्याय बताते हुए तीनों डॉक्टरों की कानूनी लड़ाई में साथ देने की घोषणा की है। संगठन के एक पदाधिकारी ने कहा, साफ दिखता है कि इन्हें आंदोलन का चेहरा बनने की कीमत चुकानी पड़ी है। अनिकेत महतो ने कहा कि उनका विरोध किसी दूरस्थ स्थान पर भेजे जाने से नहीं है, बल्कि उस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता के अभाव से है। देबाशीष हालदार और असफ़कुल्ला नैया ने कहा कि आर.जी. कर आंदोलन में उनका उद्देश्य सिर्फ न्याय की मांग करना नहीं था, बल्कि पूरे मेडिकल प्रशासन में पारदर्शिता लाना भी था। लेकिन हालिया घटनाएं यह दिखाती हैं कि यह पारदर्शिता अब भी एक सपना मात्र है।

बांकड़ा में सड़कों की बदहाली से परेशान ग्रामीणों ने किया सड़क जाम प्रदर्शन

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा जिले के बांकड़ा के रसिकल क्षेत्र में सड़कों की बदहाल स्थिति से त्रस्त स्थानीय लोगों का गुस्सा बुधवार को फूट पड़ा। बरसात के कारण सड़क पर गड्ढों में पानी भर जाने से यातायात ठप हो गया, जिसके विरोध में ग्रामीणों ने कंक्रीट की स्लैबें हटाकर सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि साइकिल, रिक्शा और स्कूटर आए दिन पलट जाते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि बांकड़ा बाजार से रसिकल तक करीब तीन किमी लंबी सड़क वर्षों से खराब पड़ी है। सड़क की उबड़-खाबड़ सतह और गड्ढों में भरे पानी के कारण कई लोग घायल हो चुके हैं। पास में बांकड़ा ग्रामीण अस्पताल होने के बावजूद,

खराब सड़क के कारण एंबुलेंस को लंबा रास्ता अपनाना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार ग्राम पंचायत से शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। विरोध के दौरान जाम की स्थिति बनी रही, जिसे डोमजूर पंचायत समिति के कर्माध्यक्ष नूरज मोल्ला के आश्वासन के बाद हटा लिया गया। अब स्थानीय लोग मरम्मत कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद कर रहे हैं।

मानसिक अवसाद ग्रसित किशोरी का अपहरण

आरोपी फरार, इलाके में तनाव, जांच में जुटी पुलिस

हुगली, समाज्ञा : हुगली के उत्तरपाड़ा थाना अंतर्गत कन्हाईपुर ग्राम पंचायत से एक मानसिक विक्षिप्त किशोरी के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना से इलाके में तनाव माहौल कायम है। आरोप है कि पडोसी युवक किशोरी को उसके घर से बुलाकर ले गया उसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिल रहा। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई की नाबालिग के साथ कुकर्म करके उसे दफनाया जा सकता है। जब तक आरोपी नहीं मिलता कुछ भी कह पाना नामुमकिन है। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ उत्त-

रपाड़ा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराइ है। 24 घंटे बीतने के बाद भी नाबालिग और आरोपी का कोई सुराग हाथ नहीं लगा इससे परिजन अनहोनी की आशंका से चिंतित है। आरोपी युवक का नाम असिम मजूमदार बताया जा रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 4 बजे असिम मजूमदार नामक युवक ने मानसिक अवसाद ग्रसित किशोरी को उसके घर से बाहर बुलाया और तभी से वह लापता है। शाम को नशे की हालत में युवक ने कथित रूप से स्वीकार किया कि उसने किशोरी को मिट्टी में गाड़ दिया है। इसके बाद से वह फरार हो गया। किशोरी का परिवार और स्थानीय लोग पूरी रात उसकी तलाश में जुटे रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के माता-पिता को पूछताछ के लिए बुलाया। आरोपी की मां, सरयु मजूमदार ने बताया कि मेरा बेटा मजदूरी करता है। मंगलवार को वह मिट्टी काटने की बात कहकर पड़ोस की लड़की को ले गया था। शाम करीब साढ़े चार बजे घर लौटा और फिर कहीं चला गया। मैंने रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने कुछ नहीं सुना। वह पहले ऐसा नहीं था, शराब पीने के बाद उसमें बहुत बदलाव आ गया है। उसकी पत्नी उसे तीन साल पहले छोड़कर जा चुकी है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए हर एंगल से जांच कर रही है। हालांकि 24 घंटे बीत जाने के बावजूद किशोरी का कोई सुराग नहीं मिला है। आशंका जताई यह भी जताई जा रही है कि किशोरी को कहीं बंदी बनाकर रखा गया है।

तरण ताल- न कर दें बेहाल

सीतेश कुमार द्विवेदी

शहरीकरण के चलते - ताल- तलैया तो विलुप्त होते गए हैं। अब अस्तित्व में आ गए है तरण-ताल (स्वीमिंग पूल)। इनकी संख्या आज हर शहर, हर कॉलोनी, बड़े होटलों एवं रिहायशी टावरों में बढ़ती जा रही है जिन्हें समय-समय पर कृत्रिम ढंग से स्वच्छ किया जाता है। पानी को बदला जाता है, फिर भी सार्वजनिक उपयोग या कई तरह के लोगों के उपयोग के कारण वह बीमारियों का संवाहक या बीमारी देने वाला तरण ताल बन गए हैं।

प्राचीन ताल-तलैयों में प्राकृतिक जीव जंतु एवं शैवाल आदि होते थे जो ताल-तलैयों के पानी को साफ रखा करते थे। तब भी इन ग्रामीण तालाबों पर गंदगी फैलाने व बीमारी फैलाने का आरोप लगता था। इन तालाबों को साफ करने से पहले इनमें मछलियां, मेंढक, कछुआ, सीपी, घोघों, जल सर्पो का रहवास था जो पानी के कीड़ों को साफ करने का काम करते थे जबकि जल शैवाल भी पानी को साफ करते थे। उसमें ऑक्सीजन की मौजूदगी बनाते थे जो जल जीवों के काम आते थे।

इन्हें साफ करने वाले जीव अब तालाबों में नहीं दिखते। खेतों में प्रयुक्त रसायनिक खाद व कीटनाशक वर्षाकाल में पानी के साथ मिलकर एवं बहकर तालाबों में पहुंच जाते हैं जिसके चलते अब बहुत कम तालाब स्वच्छ जल वाले तालाब के रूप में बचे हैं पर जिन तालाबों में मनुष्य व जानवरों का मल निस्तारी हो रहा है, वे उनके मल व गंदगी से रोग वाहक हो गए हैं जो ग्रीष्मकाल में पानी की कमी या वर्षाकाल में बहकर आए पानी के साथ मौजूद गंदगी के कारण भी बीमारी के वाहक बन गए हैं।

बीमारियों के संवाहक तरण ताल -

स्वीमिंग पूल भी अब साफ-सफाई के बावजूद बीमारियों को देने वाले बन गए हैं। साफ-सफाई में किसी तरह की लापरवाही बरतने अथवा उपयोगकर्ता के द्वारा उसका दुरूपयोग करने पर इनसे बीमारियां फैलाने की स्थितियां निर्मित होने लगी हैं। ये स्वीमिंग पूल अब बीमारियों को फैलाने वाले जीवाणुओं का तालाब बनते जा रहे हैं। यदि इनकी साफ-सफाई के प्रति सजगता न की जाए तो ये रोगाणुओं का निवास बन जाते हैं जिससे कई तरह की बीमारियों व संक्रमण का खतरा बना रहता है।

- स्वीमिंग पूल में डाले गए कीटनाशकों के कारण अस्थमा और मूत्राशय का कैंसर होने का खतरा होता है।
- पूल के पानी में पसीना, बाल, चमड़ी व पेशाब के अलावा तैराकों के द्वारा उपयोग किए जाने वाले कास्मेटिक भी होते हैं। जब ये कीटनाशकों के संपर्क में आते हैं तो रासायनिक प्रतिक्रिया के द्वारा जहरीले एजेंट में बदल जाते है जिससे इनकी संख्या तेजी के साथ बढ़ती है। इस कारण अस्थमा होने की आशंका होती है और लंबे समय में मूत्राशय कैंसर होने का खतरा भी होता है।
- संक्रमित अर्थात छूत की बीमारी वाले व्यक्ति के इसमें स्नान करने पर दूसरे में भी इसके फैलने का खतरा रहता है। स्वीमिंग पूल के पानी से वायरल, वायरस, चर्मरोग आदि का दूसरे को फैलने का खतरा बहुत ज्यादा रहता है।
- स्वीमिंग पूल का कीटनाशक व क्लोरीन युक्त पानी यदि किसी के मुंह पर चला जाए तो उसे इंफेक्शन का खतरा बना रहता है। इसके आंखों में एवं कानों दोनों में जाने से और कान दोनों खराब हो सकते हैं।

सावधानियां -

बीमार, संक्रमित एवं कमजोर व्यक्ति, गर्भवती महिलाएं एवं छोटे बच्चे स्वीमिंग पूल में न जाएं। पानी में क्लोरीन व कीटनाशक की मात्रा उपयुक्त हो। पानी को समय-समय पर बदलें। स्वाीमिंग पूल को खाली कर उसकी सतह, दीवारों, पाइपों को अच्छी तरह साफ कराएं। स्वीमिंग पूल का उपयोग करने वाले बाहर आने पर पास ही बने साफ बाथरूम या बाथ केबिन में स्वच्छ जल से शरीर की अच्छी तरह सफाई करें।

स्वीमिंग पूल के उपयोगकर्ता अपनी व्यक्तिगत सफाई पर जरा भी लापरवाही न बरतें। शरीर के जोड़ों की सफाई पर विशेष ध्यान दें। तैरना व्यायाम की श्रेणी में आता है। यह शरीर स्वस्थ रखता है, मांसपेशियां मजबूत करता है किंतु स्वीमिंग पूल की एवं अपनी सफाई में ढिलाई करने पर लाभ की बजाय नुकसान हो सकता है। बचाव के लिए हर हाल में सावधानी जरूरी है। (स्वा.द.)

पवित्र और स्वास्थ्यवर्धक है बिल्व पत्र

सुनीता गाबा

भारतीय परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार हम कुछ वृक्षों, नदियों व पशु-पक्षियों की पूजा करते हैं, जैसे वृक्षों में पवित्रा वृक्ष पीपल, तुलसी, वट, केला और बिल्व हैं, नदियों में हम गंगा नदी को पवित्रा मानते हैं, पशुओं में हम गाय की पूजा करते हैं। गाय को तो हम माता का रूप मानते हैं।

जिस प्रकार तुलसी भगवान विष्णु के साथ जुड़कर पूजनीय बन गई हैं, इसी प्रकार बिल्व को भगवान शंकर के साथ जोड़ा गया है। तुलसी की तो हम अलग से भी पूजा करते हैं पर बिल्व वृक्ष की अलग से पूजा नहीं होती। शंकर भगवान की पूजा के लिए इसे महत्त्वपूर्ण सामग्री के रूप में प्रयोग किया जाता है।

नारियल से पहले बिल्व के फल को श्रीफल माना जाता था क्योंकि बिल्व वृक्ष लक्ष्मी जी का प्रिय वृक्ष माना जाता था। प्राचीन समय में बिल्वफल को लक्ष्मी और संपत्ति का प्रतीक मान कर लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए बिल्व के फल की आहुति दी जाती थी जिसका स्थान अब नारियल ने ले लिया है।

प्राचीन समय से ही बिल्व वृक्ष और फल पूजनीय रहा है, पहले लक्ष्मी जी के साथ और धीरे-धीरे शिव जी के साथ।

बिल्व फल पूजा के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभप्रद होता है। बेल की गिरी, रस और बीज पेट और दिमाग दोनों के लिए लाभकारी होते हैं। कब्ज रोगियों को बेल फल का गूदा और रस पीने के लिए कहा जाता है। बेल का शरबत शांति प्रदान करता है और इसका प्रयोग कई आयुर्वेदिक दवाओं में भी किया जाता है।

बिल्वपत्रा का रूप तीन पत्तियों वाला होता है जो देखने में त्रिशूल जैसा दिखाई देता है और त्रिशूल शिवजी का प्रतीकायुध है। शायद इसलिए त्रिशूल के प्रतीक के रूप में बिल्व पत्रा शिवजी की पूजा का अनिवार्य अंग बन गया। (स्वा.द.)

प्राकृतिक तरीके से फिट रहने के कुछ मंत्र

सुनीता गाबा

- फल खाने से पहले, खाने के साथ या खाने के बाद में न खाएं। फल एक समय के भोजन के स्थान पर खाएं।
- फल हमेशा एक समय पर एक ही तरह का खाएं। जैसे सेब, केला, संतरा एक साथ दो से तीन खा सकते हैं पर एक एक मिला कर साथ में न खाएं।
- जितना श्रम करें, उतना ही खाना खाएं ।
- खाना भूख लगने पर ही चबा चबा कर खाएं।
- पानी भी प्यास लगने पर पिएं, एकदम पूरा गिलास पानी इकट्ठा न पिएं थोड़ा थोड़ा कर पिएं। जरूरत से ज्यादा पिया पानी किडनी पर लोड डालता है।
- सलाद में अलग अलग कच्ची सब्जियां मिलाकर खाएं। इन्हें भी खाने के साथ, खाने से पहले या खाने के बाद न खाएं। दो खानों के बीच में स्नैक की तरह सलाद का सेवन करें।
- सलाद में अलग से किसी प्रकार का नमक या नींबू न मिलाएं। सलाद वाली चीजें अल्कलाइन होती हैं। नींबू और नमक में एसिड होता है।
- सब्जियां और फल मिलाकर न खाएं। इकट्ठा खाने से इन्हें पचाने में परेशानी हो सकती है क्योंकि फल एसिडिक होते हैं और सब्जियां अल्कलाइन।
- खाने में अल्काइन चीजें अधिक खाएं और एसिडिक चीजें कम क्योंकि अगर शरीर में एसिड ज्यादा हो तो एसिडिक चीजें खाने से यूरिक एसिड बढ़ता है और त्वचा संबंधी इंफेक्शन ज्यादा होते हैं।
- हो सके तो दिन की शुरूआत नारियल पानी व सफेद पेठे के रस से करें।
- पका हुआ भोजन एक बार लेना अति उत्तम होता है। रात्रि में पका हुआ भोजन जल्दी 6 से 7 बजे तक कर लें तो लाभ पूरा मिलता है। देर रात्रि में पका भोजन लेने से पाचन प्रक्रिया को बहुत मेहनत करनी पड़ती है और पूरा पचता भी नहीं है।
- बैठने और सोने का स्थान सख्त होना बेहतर होता है। अधिक नर्म गद्दे या कुर्सी की गद्दी शरीर के लिए ठीक नहीं।
- सैर, व्यायाम नियमित करें और पौष्टिक आहार सीमित मात्रा में लें फिर हमें सप्लिमेंट लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती। अपने तन-मन पर नियंत्राण जरूरी है।
- अधिक चटपटा, मसालेदार भोजन शरीर को नुकसान पहुंचाता है।
- सप्ताह में एक दिन ,एक समय अपनी मर्जी का सीमित मात्रा में खाएं ताकि शरीर को तरसाहट न सहनी पड़े।
- 15 दिन में कम से कम एक उपवास रखें। उस दिन फल, सब्जियों, नारियल पानी,छाछ आदि लें। अगंर फिर भी भूख लगे तो हल्की खिचड़ी सब्जियों वाली लें।
- सूरज की रोशनी प्रातःकाल के समय 20 मिनट तक लें ताकि विटामिन डी की कमी न होने पाए।
- नींद पूरी लें। मन में रचनात्मक और सकारात्मक विचार लाएं ताकि व्यस्त रहें।
- प्राणायाम, योगासन, ध्यान के लिए समय अवश्य निकालें ताकि मन-मस्तिष्क शांत रहे।
- खुश रहें। वातावरण में खुशी फैलाएं ताकि खुशी वाली सकारात्मक ऊर्जा आपको वापिस मिल सके।
- किसी जरूरतमंद की मदद हो सके तो अवश्य करें।
- अपनी जुबां मीठी रखें। जो बोलें तोल कर बोलें। दूसरों को अपनी भाषा से आहत न करें। (स्वा.द.)

दिल को रोगों से कैसे बचाएं

सीतेश कुमार द्विवेदी

जीवन-शैली एवं रहन-सहन में आए बदलाव ने लोगों को अत्यन्त व्यस्त कर दिया है। इसने दिल को रूग्ण करने एवं उसे तोड़ने की घटनाएं बढ़ा दी हैं जिसके कारण दिल की धड़कनें किस उम्र में दगा दे जाएं इसका भरोसा नहीं रहा। ऐसे में विश्व बिरादरी ने दिल को सहेजने की जनजागरूकता मुहिम भी शुरू की है ताकि दिल असमय दगा न दे।

सभी अंगों की भांति दिल भी कई कारणों से बीमार होता है। इन्हीं बीमारियों के कारण दिल की धड़कन अल्पायु में असमय थम जाती है। ऐसे में बचाव के लिए दिल के स्वास्थ्य का ध्यान एवं उसे निरोग रखना जरूरी हो जाता है।

हृदय रोग क्या है:-

दिल की बीमारियों को आम शब्द में हृदय रोग कहा जाता है जिसके अंतर्गत हृदय से संबंधित अनेक बीमारियां एवं परेशानियां होती हैं जिसका हृदय पर गलत प्रभाव पड़ता है। इनमें कोरोनरी आर्टरी डिसीज, एंजाइना, दिल का दौरा आदि बीमारियां आती हैं। पूरे विश्व में लगभग 75 प्रतिशत लोग किसी न किसी प्रकार के हृदय रोग से पीड़ित हैं।

हृदय रोगों के कारण:-

निम्न कारणों से हृदय रोग होने की आशंका रहती है।

- बी. पी. का अत्यंत कम या ज्यादा होना।
- कोलेस्ट्राल का बढ़ जाना, तैलीय चीजें अधिक खाना।
- काम, श्रम, व्यायाम बिलकुल न करना।
- चिंता, तनाव, अवसाद में डूबे रहना।
- अधिक शोर, प्रदूषण एवं गंध वाले स्थान पर रहना।
- वजन, मोटापा अधिक होना।
- अधिक धूम्रपान या मदिरापान करना।
- शुगर का बढ़े रहना।
- अनियमित जीवन शैली।
- भरपूर नींद न लेना।

हृदय रोग एवं खतरे को कैसे रोकें:-

- संयमित रह कर बी. पी. को काबू में रख सकते हैं।
- खानपान एवं दवा से शुगर नियंत्रित रख सकते हैं।
- कम खाकर वजन व मोटापा कम कर सकते हैं।
- तैलीय चीजें कम खाकर कोलेस्ट्राल घटा सकते हैं।
- आलस त्याग कर श्रम, व्यायाम कर सकते हैं।
- चिंता, तनाव, अवसाद से दूर रहकर हंसमुख रह सकते हैं।
- शोर, प्रदूषण एवं गंध से दूर रहें।
- जीवनशैली सुधार कर संयमित नियमित रह सकते हैं
- भरपूर नींद लें।

जिन्हें बदला नहीं जा सकता:-

बढ़ती उम्र को रोका नहीं जा सकता। लिंग को बदला नहीं जा सकता क्योंकि पुरूषों को महिलाओं की तुलना में अधिक हृदय रोग होता है। आनुवंशिक हृदय रोग को रोका नहीं जा सकता किंतु ऊपर बताई अन्य चीजों को बदलकर हृदय रोग के खतरे को कम किया जा सकता है।

इसके लिए यह जरूरी है कि बीपी व शुगर से बचें। कोलेस्ट्राल, वजन व मोटापा काबू में रखें। तेल, घी, नमक, शक्कर व मैदे की चीजें कम खाएं। श्रम व्यायाम करें। हंसे-हंसाएं, तनाव न पालें। धूम्रपान, नशापान न करें। जंक फूड व फास्ट फूड एवं किसी भी प्रकार का ड्रिंक्स न लें। रेशे वाली चीजें एवं फल-सब्जी खाएं।

हृदय रोग के लक्षण:- सीने में दर्द, दांत, जबड़ा, गर्दन, पीठ, कंधा एवं पेट, सिर में दर्द, सांस फूलना, अचानक ज्यादा पसीना आना, बार-बार चक्कर आना, घबराहट, बेचैनी, थकान आदि लक्षणों की अधिकता में हृदय रोग हो सकता है जबकि कुछ को यह लक्षण महसूस भी नहीं होते, इसलिए बचाव के लिए 30 वर्ष के बाद समय-समय पर जांच उपचार जरूरी हो जाता है। (स्वा.द.)

बचना आवश्यक है मधुमेह से

सोनी मल्होत्रा

मधुमेह आज की गंभीर बीमारियों में से एक है। मधुमेह को नियंत्राण में रखने के लिए सबसे जरूरी है अपने भोजन में बदलाव। मधुमेह रोग हो जाने से डायबिटिक फुट, रेटिनापैथी और न्यूरोपैथी जैसे गंभीर रोग होने की भी संभावना बढ़ती है।

मधुमेह शरीर में होने वाली एक ऐसी खराबी है जिसके परिणामस्वरूप शरीर में इंसुलिन की मात्रा कम हो जाती है। इंसुलिन की शरीर में सेल्स को जरूरत पड़ती है ताकि वे शूगर को खर्च कर सकें। पेनक्रिया ग्लैंड से उत्पन्न इस इंसुलिन नामक हार्मोन की कमी होने पर शूगर खर्च नहीं हो पाती और शरीर में ब्लड शूगर बढ़ जाती है।

मधुमेह होने का प्रमुख कारण है हमारा भोजन। यह बीमारी वंशानुगत भी होती है। मोटापा भी इस बीमारी की संभावना को बढ़ाता है। मधुमेह होने पर रोगी को अधिक भूख और प्यास लगती है। बार-बार पेशाब आने की भी समस्या होती है। गर्भावस्था में भी गेस्टेशनल डायबिटीज हो जाती है। इसके अतिरिक्त तनाव, डायरिया आदि अनेक लक्षण नजर आते हैं। अगर डायबिटीज को सही समय पर नियंत्रित न किया जाए तो गैंगरीन, ग्लूकोमा, रेटिनोपैथी, निफ्रोपेथी, न्यूरोपैथी, हृदय रोग आदि अन्य गंभीर रोग हो सकते हैं।

डायबिटीज पर नियंत्राण के लिए सबसे जरूरी है सही भोजन। चीनी, मिठाइयां, चाकलेट, आइसक्रीम और चीनी से बने सभी पदार्थों को अपने भोजन में से हटा दें। अधिक वसा जैसे घी, मक्खन, मलाई आदि का प्रयोग न करें। अपने भोजन में स्किम्ड दूध और मलाई रहित दूध का प्रयोग करें। अपने भोजन में रेशे की मात्रा बढ़ाएं। अपने भोजन में केला, जामुन, खीरा, प्याज, पालक, मूली, करेला आदि को शामिल करें। अदरक, लहसुन का सेवन अधिक करें क्योंकि इसमें जिंक की मात्रा अधिक होती है और इंसुलिन के बनने में सहायक होती है।

नियमित व्यायाम अवश्य करें क्योंकि इससे शूगर की मात्रा नियंत्रित होगी और कैलोरी खर्च होगी। व्यायाम कितनी देर और कौन-सा करें, इसके लिए डॉक्टर से राय अवश्य लें।

मधुमेह रोगी अपने पैरों की अधिक देखभाल करें। कोई भी चोट या सूजन होने पर तुरन्त डॉक्टर से परामर्श लें।

मधुमेह के कारण रोगी को हाइपोग्लोकेमिया भी हो जाता है जिसके कारण रक्त में शर्करा का स्तर कम होने लगता है। इसका कारण कोई कठिन, भारी व्यायाम और भोजन सही समय पर न लेना हो सकता है।

इसके अतिरिक्त कभी कभी हाईपरग्लाईकेमिया भी हो जाता है जिसके कारण रक्त में शर्करा की मात्रा अधिक हो जाती है। डायबिटीज रोगी समय-समय पर डायबिटीज की जांच कराते रहें व डॉक्टर द्वारा दिए परामर्श में लापरवाही बिलकुल न करें। समय पर दवाइयां व सही भोजन लें। चीनी बिलकुल न लें, न ही चीनी से बने पदार्थ जेम, जेली, शहद, गुड़ आदि लें। फलों का सेवन करते वक्त यह ध्यान रखें कि उन्हें अधिक मात्रा में न लें। अपने भोजन में रेशे की मात्रा अधिक लें। तले हुए आलू न लें। उबले हुए आलू नुकसानदायक नहीं पर अधिक मात्रा में न लें।

चीनी व वसायुक्त पदार्थ बिलकुल न लें। कभी भी भूखे न रहें। थोड़ा खाएं परन्तु खाने को छोड़ें न। 30-45 मिनट की सैर सबसे उपयुक्त व्यायाम है। (स्वा.द.))

कमरदर्द की समस्या अब बच्चों में भी

उमेश कुमार साहू

लगातार एक ही स्थान पर बैठे रहने के कारण बच्चों की रीढ़ की हड्डियों में विकार उत्पन्न होने की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है जिससे हड्डियाँ कमजोर होकर टूटने लगी हैं।

ब्रिटिश चेयरोप्रेक्टिस एसोसिएशन के अनुसार घंटों तक टी. वी. और कंप्यूटर स्क्रीन के सामने झुककर बैठने एवं भारी बस्तों की वजह से बच्चों में कमर दर्द की शिकायत में पांच प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

डॉक्टरों के अनुसार एक स्थान पर अधिक समय तक बैठे रहने वाली दिनचर्या के कारण हड्डियों एवं मांसपेशियों की कसरत नहीं हो पाती। जब इन कमजोर हड्डियों पर भारी बस्ता एवं अन्य भारी सामान उठाने से दबाव पड़ता है तो हड्डियों के क्षतिग्रस्त होने की संभावना रहती है।

स्कूल जाने वाले 200 स्कूली बच्चों पर किए गए एक शोध से यह पता चला कि एक सप्ताह में लड़के औसतन 41 और लड़कियाँ औसतन 21 घंटे टीवी या कंप्यूटर स्क्रीन के सामने गुजारते हैं। बहुत सारे बच्चे लेट कर या आड़े-तिरछे बैठकर टीवी. देखते हैं।

डॉ. टॅयूनर के अनुसार पेट के बल लेटकर सिर पीछे की ओर उठाए रखने से गर्दन एवं रीढ़ के निचले भाग के जोड़ों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिससे उनमें दर्द उत्पन्न होता है।

बच्चों के कमर दर्द का मुख्य कारण एक स्थान पर अधिक समय तक बैठे रहना एवं व्यायाम का अभाव है, जिसके कारण उनकी मासंपेशियां अच्छे से काम नहीं करती। जब उन्हें भारी बस्ते उठाने पड़ते हैं तो उनमें दर्द उत्पन्न हो जाता है। बच्चों द्वारा बस्तों को सही तरीके से न उठाया जाना भी इस समस्या को और जटिल बना देता है। शोध से पता चला है कि 44 प्रतिशत बच्चे बस्ता उठाने के लिए दोनों पट्टों का प्रयोग नहीं करते हैं।

चेयरोप्रैक्टिस एसोएशिन द्वारा कराए गए शोध के प्रमुख डॉ. स्काट मिलर के अनुसार अधिकांश बच्चे अपना ज्यादातर समय एक स्थान पर बैठे हुए गुजारते हैं। व्यायाम के अभाव में उनकी हड्डियों में मजबूती नहीं आ पाती।

उनके अनुसार 1000 में से लगभग 52 प्रतिशत बच्चों की रीढ़ की हड्डियों में फ्रेक्चर पाए गए हैं। इनमें से बहुत सारे यह सोच कर दर्द को नजर अंदाज कर जाते हैं कि उनकी पीठ में सामान्य तौर पर दर्द रहता है। जैसे-जैसे इनकी उम्र बढ़ती जाती है, समस्या और अधिक विकराल रूप धारण करती जाती है। (स्वा.द.)

गैस्ट्रिक से बच सकते हैं आप भी

नीतू गुप्ता

खान पान और जीवनशैली में कुछ बदलाव आते ही कई बीमारियां आपके शरीर में चुपके से प्रवेश कर जाती हैं जिनका पता कुछ देरी से लगता है। कभी कभी कुछ बीमारियां शरीर के लिए अत्यंत दुःखदाई बन जाती हैं।

खानपान की तब्दीली का सबसे अधिक असर पेट पर पड़ता है जिससे शरीर में कई तरह के अम्ल बनने शुरू हो जाते हैं और गैस्ट्रिक (बदहजमी) का शिकार होते अधिक समय नहीं लगता।

ऐसे में बाजार से उपलब्ध दवाइयां लेकर खुद डाक्टर न बनें। बेहतर है समय पर डाक्टरी परामर्श लेकर दवा शुरू कर दें। दवा के साथ इस समस्या से निपटने के लिए अपने खान-पान की ओर भी पूरा ध्यान दें। जिस खान पान में बदलाव लाए हैं उन्हें फिर से हल्का करें और अपने आप को बदहजमी से दूर रखें।

- ऐसे में अधिक वसायुक्त भोजन न करें।
- विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन बहुत कम करें जैसे संतरा, नींबू, टमाटर आदि।
- काफी और चाय का सेवन भी न के बराबर करें। चाय पीने के अधिक आदी होने पर पहले पानी पिएं, फिर चाय ठंडी करके पिएं।
- भोजन करते समय पानी का प्रयोग यथासंभव बहुत कम मात्रा में करें।
- मुख्य रूप से दो बार भरपेट भोजन खाने की बजाय दिन में चार पांच बार थोड़ी मात्रा में खाएं।
- रात्रि को भोजन सोने से दो-तीन घंटे पहले करें। रात्रि भोजन करने के तुरंत बाद न लेटें।
- अधिक वजन वाले लोगों को व्यायाम करके और लगातार सैर करके अपना वजन नियंत्राण में रखना चाहिए।
- नशीली वस्तुओं का इस्तेमाल न करें जैसे शराब, सिगरेट, तंबाकू, पान मसाला और बीड़ी आदि।
- चाकलेट का प्रयोग अपने भोजन से हटा देने में आपकी भलाई है।
- शीतल बोतलबंद पेय पदार्थों का इस्तेमाल कम से कम करें।
- बदहजमी का सबसे बड़ा दुश्मन है-क्रोध और तनाव। इससे अपने आपको दूर रखने का पूरा प्रयास करें जिसके लिए आप योग व मेडिटेशन का सहारा लें जिससे मन में शांति का प्रवेश हो सके।
- सोते समय मन को शांत रखें जिससे आप अच्छी नींद ले सकें।
- जीवन को नीरस न बनाकर मनोरंजन के विभिन्न तरीकों से जीवन में रस बनाए रखें।
- कोई अन्य बीमारी होने पर डाक्टर को अपनी गैस्ट्रिक समस्या के बारे में अवश्य बताएं क्योंकि ऐसे में कुछ दवाइयां अधिक अम्ल बनाने में सहायक होती हैं।
- जिस बिस्तर पर आप सोने जा रहे हैं, सिर वाली जगह को 5 या 6 इंच ऊंचा रखें। सिर की ओर बिस्तर के नीचे ईंट या लकड़ी के टुकड़े रख सकते हैं।

इस प्रकार दवा के साथ अपनी जीवनशैली और खानपान में अवश्य बदलाव लाएं, तभी आप इस रोग से छुटकारा पा सकते हैं। (स्वा.द.)

द.अफ्रीका में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के संबोधन में आतंकवाद पर भारत के रुख की सराहना की गई

प्रिटोरिया/जोहानिसबर्ग : राकांपा (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के सांसदों से मुलाकात की और आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने दक्षिण अफ्रीका के प्रांतीय राष्ट्रीय परिषद (एनसीओपी) के उपाध्यक्ष पी. गोवेन्डर और दक्षिण अफ्रीका की संसद के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। भारतीय उच्चायोग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पहलगाम हमले सहित भारत में हुई अन्य आतंकवादी घटनाओं के बारे में विस्तार से बताया और आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का भारत का संदेश दिया।'' मंगलवार को भारत के सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने यहां 350 से अधिक प्रवासियों और स्थानीय भारतीयों को संबोधित किया तथा पाकिस्तान को आतंकवाद का प्रायोजक बताया। इस दौरान 'आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने' के भारत के रुख की सराहना की गई। मंगलवार शाम जोहानिसबर्ग पहुंचने के लगभग दो घंटे बाद आयोजित कार्यक्रम में प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीय नागरिकों और स्थानीय समुदाय से वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्भीक लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया। सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल उन सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक है, जिन्हें भारत ने 33 वैश्विक राजधानियों का दौरा करने का दायित्व सौंपा है, ताकि वे पाकिस्तान की मंशा और आतंकवाद के प्रति भारत के रुख के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अवगत करा सकें। प्रतिनिधिमंडल के प्रत्येक सदस्य ने पहलगाम हमले के बारे में जानकारी साझा की तथा उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी ब्योरा दिया, जिसके तहत पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया जिसमें विभिन्न समूहों से संबंधित 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। सुले ने कहा, ''जब प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में शपथ ली थी, तो उन्होंने अपने शपथग्रहण समारोह में हर पड़ोसी को आमंत्रित किया था ताकि यह संदेश दिया जा सके कि हम चाहते हैं कि उपमहाद्वीप शांतिपूर्ण और खुशहाल हो तथा सब एक साथ आगे बढ़ें।

पनामा ने भारत को 'आतंकवाद के खिलाफ युद्ध' में समर्थन का आश्वासन दिया

पनामा सिटी : कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने यहां नेशनल असेंबली की अध्यक्ष डाना कास्टानेडा से मुलाकात की और आतंकवाद को ''कतई बर्दाश्त नहीं करने'' के नयी दिल्ली के मजबूत संदेश से अवगत कराया। इस दौरान पनामा ने भारत को ''आतंकवाद के खिलाफ युद्ध'' के लिए अपने समर्थन का आश्वासन दिया। यह प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को मध्य अमेरिकी देश पहुंचा। यह उन सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक है जिन्हें भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक पहुंचने के लिए 33 देशों की राजधानियों का दौरा करने का काम सौंपा है।

इंडोनेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को समर्थन दिया

जकार्ता : इंडोनेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को सभी संभावित मंचों पर अपना समर्थन देने की बुधवार को प्रतिबद्धता जताई। इंडोनेशिया ने यह समर्थन तब दिया जब जद (यू) सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ नयी दिल्ली के स्पष्ट रुख से अवगत कराने के उद्देश्य के साथ यहां पहुंचा। जकार्ता स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशिया के विदेश उपमंत्री आरिफ हवास ओग्रोसेनो से मुलाकात की और बताया कि ''पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हमला शांति के माहौल को बाधित करने और समुदायों के बीच दरार पैदा करने का एक प्रयास था।''

विश्वसनीय जानकारी से गोगोई की पाकिस्तानी प्रतिष्ठान से 'निकटता' का संकेत मिलता है: हिमंत

गुवाहाटी : मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि ऐसी विश्वसनीय जानकारी मिली है जो कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई की पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ 'निकटता' का संकेत देती है। शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान यात्रा करने के बारे में उनकी (गोगोई) स्वीकारोक्ति 'कुछ बहुत गंभीर' चीज की 'केवल शुरुआत' है। पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ कथित संबंधों के दावों को खारिज करते हुए गोगोई ने नयी दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह 12 साल पहले केवल एक बार पाकिस्तान गए थे। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आखिरकार, कांग्रेस सांसद श्री गौरव गोगोई ने स्वीकार कर लिया कि उन्होंने पाकिस्तान का दौरा किया था, लेकिन हम बहुत स्पष्ट हैं- यह केवल शुरुआत है, अंत नहीं। आगे जो होने वाला है वह कहीं अधिक गंभीर है। विश्वसनीय जानकारी और दस्तावेजों में निहित सूचना द्वारा समर्थित हर उचित आधार मौजूद है, जो यह संकेत देता है कि श्री गोगोई ने पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ 'निकटता' बनाए रखी है।'' उन्होंने कहा कि असम सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्ध है और विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा व्यापक जांच पूरी करने के बाद 10 सितंबर को सब कुछ सार्वजनिक कर दिया जाएगा। शर्मा ने गोगोई को राज्य कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने का जिक्र करते हुए कहा, ''असम और देश के लोग सच जानने के हकदार हैं, और उन्हें यह हक पूरी तरह से मिलेगा, लेकिन जानबूझकर हमारे देश के सार्वजनिक जीवन में ऐसे खतरनाक और समझौतावादी व्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए लोग कांग्रेस पार्टी और श्री राहुल गांधी को न भूलेंगे और न ही माफ करेंगे।''

न्यूज इन ब्रीफ

मेरे पोते का नाम 'इराज' रखा गया : लालू

पटना : बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी राजश्री के दूसरी बार माता-पिता बनने के एक दिन बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी ने अपने पोते के नाम की घोषणा की। उन्होंने अपने पोते का नाम 'इराज लालू यादव' रखा है। तेजस्वी यादव की पत्नी ने मंगलवार को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में पुत्र को जन्म दिया। लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, तो हमारी पोती कात्यायनी के छोटे भाई का नाम मैंने और राबड़ी देवी ने 'इराज' रखा है। तेजस्वी और राजश्री ने उसका पूरा नाम 'इराज लालू यादव' रखा है। उन्होंने आगे लिखा, कात्यायनी का जन्म नवरात्रि की शुभ अष्टमी तिथि पर हुआ था और इस नन्हे बालक का जन्म बजरंग बली हनुमान जी को समर्पित विशेष दिन (मंगलवार को) हुआ है, इसलिए उसका नाम 'इराज' रखा गया है। आप सभी की शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद! मां और नवजात शिशु दोनों स्वस्थ हैं।'' परिवार के एक सदस्य के अनुसार, राजश्री पिछले कुछ दिनों से कोलकाता के जिस निजी अस्पताल में भर्ती थीं, वहीं शिशु का जन्म हुआ।

जम्मू में तीन मोर्टार के गोले मिले, सुरक्षित तरीके से नष्ट किए

जम्मू : जम्मू-कश्मीर में बुधवार को यहां सड़क किनारे मोर्टार के तीन गोले मिले जिन्हें बम निष्क्रिय दस्ते (बीडीएस) ने नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने बुधवार दोपहर शहर के बाहरी इलाके नरवाल के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में मोर्टार के गोले देखे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की तुरंत घेरबांदी की गई तथा बीडीएस को मौके पर बुलाकर गोलों को घटनास्थल से हटा दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बाद में बीडीएस ने पास के वन क्षेत्र में नियंत्रित विस्फोट के जरिए मोर्टार के गोलों को नष्ट कर दिया, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ।

खुलकर नाचो पर मेट्रो में नहीं: डीएमआरसी ने रील बनाने वाले यात्रियों से कहा

नयी दिल्ली : दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने यात्रियों को मेट्रो में यात्रा के दौरान रील नहीं बनाने को कहा है। डीएमआरसी ने बुधवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' मेट्रो यात्रा के लिए है 'ट्रेंड' के लिए नहीं। इसलिए अगली बार हम रील न बनाएं और न ही उन्हें प्रोत्साहित करें क्योंकि एक सहज और सुरक्षित यात्रा कुछ सेकंड की प्रसिद्धि से अधिक मायने रखती है।'' डीएमआरसी ने इस पोस्ट के साथ एक पोस्टर भी साझा किया जिस पर लिखा था 'नो रील्स ऑन द व्हील्स'। एक पोस्टर में मेट्रो स्टेशन पर गिटार बजाते हुए एक व्यक्ति का चित्र है जिसके साथ 'कैप्शन' लिखा है, 'आपका प्रदर्शन मेट्रो से भी बड़े मंच का हकदार है।'

भारत के अनुरोध पर इंटरपोल ने पहला सिल्वर नोटिस जारी किया

नयी दिल्ली : इंटरपोल ने वीजा धोखाधड़ी के सिलसिले में वांछित फ्रांसीसी दूतावास के पूर्व अधिकारी शुभम शौकीन की वैश्विक संपत्तियों पता लगाने के लिए भारत के अनुरोध पर पहला सिल्वर नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिल्वर नोटिस एक रंग-अधारित नोटिस है जिसकी शुरुआत इंटरपोल द्वारा इस साल जनवरी में की गई थी। इसका उद्देश्य दुनिया भर में अवैध संपत्तियों की जानकारी जुटाना और उनका पता लगाना है। इटली के अनुरोध पर पहला सिल्वर नोटिस जारी करने के साथ प्रायोगिक परियोजना की शुरुआती हुई थी। भारत भी इस परियोजना का हिस्सा है। इंटरपोल नौ प्रकार के रंग-अधारित नोटिस जारी करता है जिनमें से प्रत्येक का उद्देश्य दुनिया भर के सदस्य देशों से विशिष्ट जानकारी प्राप्त करना है। उदाहरण के लिए, लाल रंग किसी भगोड़े को हिरासत में लेने के लिए, नीला रंग अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने के लिए, काला रंग अज्ञात शव की पहचान के लिए और पीला रंग लापता व्यक्तियों के तलाश के लिए है। भारत, सिल्वर नोटिस जारी करने के पहले चरण में हिस्सा लेने वाले 51 सदस्य देशों में से एक है। प्रायोगिक परियोजना नवंबर तक जारी रहेगी। प्रायोगिक चरण के हिस्से के रूप में प्रत्येक देश नौ सिल्वर नोटिस प्रकाशित करवा सकते हैं।

डीआरआई ने उत्तर-पूर्व में 23.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पूर्वोत्तर में दो अलग-अलग अभियानों के दौरान करीब 23.5 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन और मेथामफेटामाइन गोलियां जब्त की हैं और चार मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। 19वीं बटालियन असम राइफल्स की मदद से डीआरआई ने 21 मई को मणिपुर के नोनी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर एक ट्रक को रोका। तलाशी के दौरान ट्रक के चेसिस में विशेष रूप से बनाए गए छिपे हुए कक्ष से 569 ग्राम हेरोइन और 1,039 ग्राम मेथामफेटामाइन गोलियां बरामद की गईं। एक अन्य अभियान में, डीआरआई ने असम राइफल्स की एफआईयू यूनिट, सिलचर की मदद से 22 मई को असम के हैलाकांडी जिले के आलोइचेरा में एक ट्रक को रोका और तलाशी में ट्रक के निचले हिस्से में बनाए गए गुप्त कक्ष से 2,640.53 ग्राम हेरोइन जब्त की। बयान के अनुसार, जब्त की गई नशीली दवाओं की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत लगभग 23.5 करोड़ रुपये आंकी गई है। इन मामलों में चार व्यक्तियों को स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया है।

थायरॉइड विकारों के शीघ्र निदान में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका होगी: एम्स भुवनेश्वर

भुवनेश्वर : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर के कार्यकारी निदेशक आशुतोष बिस्वास ने बुधवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) देश में थायराइड विकारों के प्रारंभिक निदान और प्रबंधन में बदलाव ला सकता है। उन्होंने व्यक्तिगत चिकित्सा में एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से हाइपोथायरायडिज्म के लिए, जो देश में लगभग 10 में से एक वयस्क को प्रभावित करता है। बिस्वास ने कहा, ''एआई डायग्नोसिस, जिसे एम्स भुवनेश्वर में शुरू किया जाना है, प्रारंभिक निदान में मदद करेगा, रोग की प्रगति पर नजर रखेगा और परिणाम-आधारित दवा की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों के रोगियों को लाभ होगा।'' उन्होंने कहा कि हाइपोथायरायडिज्म पुरुषों की तुलना में महिलाओं में तीन गुना अधिक आम है, तथा लगभग 33 प्रतिशत रोगियों में इसका निदान नहीं हो पाता है। उन्होंने कहा कि अनुपचारित हाइपोथायरायडिज्म हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे, यकृत, आंत और प्रजनन प्रणाली सहित प्रमुख अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

नौ हजार अश्व शक्ति वाला इंजन रेलवे का अब तक का सबसे शक्तिशाली एकल-इकाई विद्युत इंजन है: सरकार

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के दाहोद में 9000 अश्व शक्ति (एचपी) वाले जिस इंजन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था वह भारतीय रेलवे के लिए विकसित अब तक का सबसे शक्तिशाली एकल-इकाई वाला विद्युत इंजन है। रेल मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''अब तक, मालवाहक इंजन आमतौर पर 4500 या 6000 एचपी क्षमता पर संचालित होते थे। यद्यपि 12,000 एचपी इंजन मौजूद हैं लेकिन वह दो छह-छह हजार एचपी वाली इकाइयों को जोड़कर बनाए गए हैं।'' इसने कहा, ''इसके विपरीत, दाहोद में निर्मित इंजन एक एकीकृत, उच्च शक्ति के साथ समाधान प्रदान करता है जो आसानी से काफी लंबी और भारी मालगाड़ियों को खींच सकता है।'' इसमें कहा गया है कि 9000 एचपी वाला इंजन भारतीय रेलवे की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक- माल ढुलाई वाले अति व्यस्त मार्ग, का समाधान प्रदान करता है। बयान में कहा गया, ''भारी वजन खींचने के लिए कम इंजनों की आवश्यकता होने से रेल यातायात को सुगम किया जा सकता है, जिससे व्यस्त गलियारों पर दबाव कम हो सकता है।''

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ : प्रशांत किशोर

पटना : जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को आरोप लगाया कि बिहार की कानून-व्यवस्था की स्थिति इसलिए खराब हो रही है, क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ''शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ'' हो गए हैं। किशोर ने सीवान जिले में आयोजित एक रैली से इतर संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि राज्य को ''चार से पांच नौकरशाहों और उतने ही चाटुकार मंत्रियों'' द्वारा चलाया जा रहा है। किशोर ने कहा, ''मुख्यमंत्री की मानसिक स्थिति ऐसी है कि उन्हें अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के नाम तक याद नहीं हैं। परंतु, वह सत्ता का आनंद लेना जारी रखे हुए हैं, क्योंकि बिहार में शिक्षक या पुलिस कांस्टेबल बनने के लिए चिकित्सा जांच उत्तीर्ण करना जरूरी है, लेकिन मुख्यमंत्री पर ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। इन परिस्थितियों में, अपराध दर में बढ़ोतरी कोई आश्चर्य की बात नहीं है।'' किशोर का संयोग से कुमार के साथ पुराना संबंध रहा है। किशोर ने 2015 के विधानसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रचार अभियान में मदद की थी और इसके बदले में उन्हें मुख्यमंत्री के सलाहकार का पद मिला था, जो कैबिनेट मंत्री के बराबर का दर्जा प्राप्त था। कुमार की अध्यक्षता वाली जदयू में 2018 में किशोर को शामिल किया गया और कुछ ही हफ्तों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर पदोन्नत कर दिया गया, लेकिन दो साल बाद मुख्यमंत्री के साथ विवाद होने पर उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

वाराणसी में निजी स्कूल की अध्यापिका ने डीन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया, मामला दर्ज

वाराणसी (उप्र) : वाराणसी जिला मुख्यालय के सिगरा थाने की पुलिस ने एक निजी स्कूल की अध्यापिका की शिकायत पर स्कूल के ही डीन पर यौन उत्पीड़न का दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। सिगरा थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना क्षेत्र के डालमिस सनबीम स्कूल में कार्यरत एक अध्यापिका की तहरीर पर डीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। एसएचओ के अनुसार, इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296 (सार्वजनिक स्थान पर अश्लील कृत्य) और 352 (शांति भंग के इरादे से किसी का जानबूझकर अपमान) के तहत आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने तहरीर में आरोप लगाया कि हाल ही में, वह किसी कार्य के लिए एक खाली कक्षा में गई थीं, तभी डीन वहां आए और उनका मोबाइल छीन लिया। पीड़िता के अनुसार, डीन ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी दी कि जब रात को अकेले बुलाता हूँ तो नहीं आती हो। अगर मोबाइल चाहिए तो रात में मेरे फ्लैट पर आना पड़ेगा। पीड़िता का कहना है कि वह घबरा गई और अपने सहकर्मी के माध्यम से अपने पति को इसकी जानकारी दी जिन्होंने शाम को स्कूल जाकर प्रिंसिपल से बात करने की कोशिश की लेकिन डीन को पता लग गया। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि इसके बाद स्कूल प्रबंधन ने उन्हें किसी पूर्व नोटिस के बिना स्कूल से निकाल दिया।

'विदेशी धर्म' के प्रभाव के कारण झारखंड में पेसा अधिनियम लागू नहीं किया जा रहा : रघुबर दास

रांची : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास ने बुधवार को आरोप लगाया कि झामुमो नीत गठबंधन सरकार ''विदेशी धर्म'' के प्रभाव के कारण पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, जिसे आमतौर पर पेसा अधिनियम के रूप में जाना जाता है, को लागू नहीं कर रही है। अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समुदायों के अधिकारों को मान्यता देने वाला पेसा अधिनियम 1996 में लागू किया गया था। हालांकि, झारखंड में अभी तक इस कानून को लागू नहीं किया गया है। दास ने संवाददाताओं से कहा, ''पेसा कानून 1996 में पूरे देश में लागू हुआ था। बाकी सभी राज्यों ने पेसा के नियम बनाए हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन नीत सरकार के साढ़े पांच साल के कार्यकाल के बाद भी यह कानून लागू नहीं हुआ है।'' वरिष्ठ भाजपा नेता ने सवाल किया, ''क्या कानून लागू होने पर हेमंत सरकार गिरने का खतरा है? या किसी विदेशी धर्म के प्रभाव में इसे विलंबित किया जा रहा है, क्योंकि इससे उस धर्म को मानने वालों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है?'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जुलाई 2023 में पेसा नियमों का मसौदा प्रकाशित किया और पंचायती राज विभाग के माध्यम से जनता और संस्थानों से प्रतिक्रिया मांगी।

झारखंड के चार-दिवसीय दौरे के लिए रांची पहुंची 16वें वित्त आयोग की टीम

रांची : झारखंड के चार-दिवसीय दौरे के लिए 16वें वित्त आयोग की एक उच्च-स्तरीय टीम बुधवार को यहां पहुंची। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। चौदह-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के अधिकांश सदस्य पहुंच चुके हैं, जबकि शेष सदस्यों के बृहस्पतिवार सुबह तक पहुंचने की उम्मीद है। यह दल 30 मई को मुख्यमंत्री, वित्तमंत्री और मुख्य सचिव समेत झारखंड सरकार के साथ चर्चा करेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इसके अलावा आयोग उसी दिन स्थानीय निकायों, व्यापार संगठनों, उद्योग संघों, वाणिज्य मंडलों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कई बैठकें करेगा।

मोदी 30 मई को कानपुर में करीब 21 हज़ार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे

लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद अपने देशव्यापी दौरे में शुक्रवार को कानपुर आयेंगे, जहां वह करीब 21 करोड़ रुपये लागत वाली परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोदी इस दौरे के दौरान पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से भी मुलाकात कर सकते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री 30 मई को कानपुर के एक दिवसीय दौरे में क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। वह 2,120 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन से कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन तक के खंड का उद्घाटन करेंगे। इसमें 14 नियोजित स्टेशन शामिल होंगे जिनमें पांच नए भूमिगत स्टेशन शामिल होंगे। यह खंड शहर के प्रमुख स्थलों और वाणिज्यिक केंद्रों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेंगे। इसके अतिरिक्त, मोदी जीटी रोड के सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य का भी उद्घाटन करेंगे। बयान के अनुसार क्षेत्र में बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। प्रधानमंत्री क्षेत्र की बढ़ती ऊर्जा मांगों की पूर्ति के लिए गौतम बुद्ध नगर के यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) के सेक्टर 28 में 220 केवी उपकेंद्र की (डिजिटल माध्यम से) आधारशिला रखेंगे। वह ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-8 और इकोटेक-10 में 320 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 132 केवी सबस्टेशन का उद्घाटन भी (डिजिटल माध्यम से) करेंगे। प्रधानमंत्री कानपुर में 8,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 660 मेगावाट की 'पनकी थर्मल पावर एक्सटेंशन' परियोजना का उद्घाटन करेंगे जिससे उत्तर प्रदेश की ऊर्जा क्षमता बढ़ेगी।

चार और मामलों की पुष्टि होने के बाद पटना में कोरोना मरीजों की संख्या 10 पहुंची

पटना : पटना में चार और लोगों की कोरोना वायरस जांच रिपोर्ट में संक्रिमत होने की पुष्टि हुई है, जिससे कोरोना वायरस से संक्रमित कुल मरीजों की संख्या 10 हो गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि सभी मरीजों में संक्रमण का स्तर बहुत हल्का है और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उनकी बारीकी से निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा, अब पटना में कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों की कुल संख्या 10 हो गई है। उन्होंने कहा, हम नागरिकों से सतर्क रहने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन डरें नहीं, क्योंकि स्वास्थ्य प्रणाली स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सिंह ने कहा कि शहर के सरकारी अस्पतालों को तैयार रहने और बिस्तर, ऑक्सीजन, दवाओं और टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनुसंधान के क्षेत्र में ठोस और दूरगामी कदम उठाने होंगे : राज्यपाल

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अनुसंधान और विकास को राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार बताते हुए बुधवार को कहा कि यदि देश को आत्मनिर्भर बनाना है, तो अनुसंधान के क्षेत्र में ठोस और दूरगामी कदम उठाने होंगे। राजभवन द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, राज्यपाल की अध्यक्षता में यहां राजभवन में नीति आयोग द्वारा आयोजित 'ईज ऑफ डूइंग रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट' विषय पर दो दिवसीय परामर्श बैठक का समापन हुआ। पटेल ने अपने सम्बोधन में कहा, ''अनुसंधान और विकास किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार होता है। यदि किसी देश को आत्मनिर्भर बनाना है, उसे वैश्विक मंच पर अग्रणी स्थान दिलाना है, तो हमें अनुसंधान के क्षेत्र में ठोस और दूरगामी कदम उठाने होंगे।'' उन्होंने कहा, अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में आ रही समस्याओं को चुनौती के रूप में लेने की आवश्यकता है। चुनौतियां ही हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। यदि किसी नीति में कोई बाधा आ रही है, तो उस नीति में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि अनुसंधान संस्थानों को पूरी तरह सक्षम, स्वायत्त और परिणामोन्मुखी बनाया जाए, तो इससे न केवल उच्च शिक्षा व्यवस्था सशक्त होगी, बल्कि भारत को वैश्विक अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी सफलता मिलेगी। राज्यपाल ने यह भी कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को चाहिए कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ नियमित रूप से बैठक करें, कार्यों की समीक्षा करें और गहराई से विचार-विमर्श करें। उन्होंने कहा, समस्याएं तभी सामने आती हैं जब अधिकारी ज़मीनी स्तर पर जुड़कर कार्य करते हैं और हर पहलू को गंभीरता से समझते हैं। हर फाइल को तुरंत आगे बढ़ाया जाना चाहिए ताकि निर्णय प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। कार्य प्रणाली में पारदर्शिता और गति लाना अत्यंत आवश्यक है।

रांची में व्यक्ति की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी, उसका प्रेमी सहित तीन गिरफ्तार

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में एक विवाहित महिला और उसके प्रेमी सहित तीन व्यक्तियों को महिला के पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। रमेश उरांव की 19 मई को कांके थाना क्षेत्र स्थित उनके घर में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) चंदन कुमार सिन्हा ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''उरांव की पत्नी तनु लकड़ा, उसके कथित प्रेमी शाहिद अंसारी और उसके सहयोगी सतीश बैठा को हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।'' पुलिस ने अपराध में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन, एक कार और एक चाकू भी जब्त कर लिया है। सिन्हा ने कहा कि लकड़ा का अंसारी के साथ विवाहेतर संबंध था और अपने पति से छुटकारा पाने के लिए उसने एक साजिश रची, जिसमें सतीश बैठा ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, ''तनु ने अंसारी को घर की चाबियां मुहैया कराई थीं, जिसने 19 मई को सुबह करीब 4.45 बजे घर में घुसते ही रमेश की चाकू घोंपकर हत्या कर दी।'' उन्होंने बताया कि अंसारी, रमेश उरांव का पूर्व व्यापारिक साझेदार था और जमीन के लेनदेन में शामिल था। समय के साथ, उसने रमेश की पत्नी के साथ अवैध संबंध बना लिये। उन्होंने कहा, ''रमेश को दोनों के रिश्ते के बारे में पता चल गया और तनु ने उसकी हत्या की साजिश रची। पुलिस के पास तीनों की संलिप्तता के पर्याप्त सबूत हैं।''

बलिया में नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म, आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

बलिया : उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक हिंदू नाबालिग छात्रा का अपहरण करने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को दूसरे समुदाय के एक शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार जिले के बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 15 वर्षीय छात्रा अपने गांव में स्थित सर्वोदय पब्लिक स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ती थी।

वर्ष 10, पूर्णांक 4250 अंक 060, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in

पेट्रोलियम एवं
प्राकृतिक गैस मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

विकसित पश्चिम बंगाल
विकसित भारत

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना का शिलान्यास

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के कर-कमलों द्वारा

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना की प्रमुख विशेषताएं और लाभ

1. ₹1,000 करोड़ से अधिक निवेश के साथ 42 लाख से अधिक लोगों के लिए ऊर्जा की उपलब्धता
2. पीएनजी कनेक्शन के जरिए 2.5 लाख से अधिक घरों, व्यवसायों और उद्योगों के लिए विश्वसनीय, किफायती और 24x7 गैस आपूर्ति सुनिश्चित
3. सीएनजी स्टेशन के द्वारा वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने, स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य की नींव रखने में मदद
4. स्वच्छ ऊर्जा और प्राकृतिक गैस को बढ़ावा देकर भारत के नेट-जीरो लक्ष्य की ओर कदम
5. 22 लाख से अधिक मानव दिवस रोजगार सृजन, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार एवं स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा
6. 42 लाख से अधिक लोगों के लिए ऊर्जा की उपलब्धता, जीवन गुणवत्ता में सुधार और क्षेत्रीय विकास को स्थायी रुप से बढ़ावा
7. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 27 प्रतिशत की कमी - 25 वर्षों में 98 TMT के बराबर

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. सी वी आनंद बोस
राज्यपाल, पश्चिम बंगाल

ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

हरदीप सिंह पुरी
केन्द्रीय मंत्री, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस

मनोज तिग्गा
सांसद, अलीपुरद्वार

अनंत महाराज
सांसद, राज्य सभा

सुमन कांजीलाल
विधायक, अलीपुरद्वार

बिशाल लामा
विधायक, कालचीनी

29 मई, 2025, अपराह्न 2.00 बजे | परेड ग्राउंड, अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल

डीडी न्यूज़ और अन्य प्रमुख टीवी चैनलों पर सीधा प्रसारण